Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 257 गुरूवार, 21 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

भोग को सीमित और कम करने में ही संपत्ति का यथार्थ गौरव है।

-रवीन्द्र नाथ ठाकुर-

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण कश्मीर में रेलगाड़ी चपेट में आने सेव्यक्ति की मौत

श्रीनगर, 20 जुलाई 2022। पंजगाम-बिजबेहाड़ा में एक व्यक्ति की रेलगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। अधिकारिक जानकारी के अनुसार व्यक्ति उसके गांव के पास रेलपटरी के नजदीक से गुजर रहा था कि वो गाड़ी की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रेलवे पुलिस ने मेडिकल औपचारिकता हेतु उसके शव को निकट के अस्पताल में रखवा दिया। बाद में शव परिवारजनों को सौंप दिया गया।

अग्निपथ योजना के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई टली,हाईकोर्ट ने सभी याचिकाओं को क्लब करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली ,20 जुलाई 2022। अग्निपथ योजना के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई 25 अगस्त टाल दी गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सभी याचिकाओं को क्लब करने के लिए कहा है। दिल्ली हाईकोर्ट अग्निपथ स्कीम के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाओं पर 25 अगस्त को सुनवाई करेगा।

बता दें कि अग्निपथ योजना को लेकर अलग-अलग अदालतों में याचिकाएं दाखिल की गई हैं। इन याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उसके समक्ष लंबित सशस्त्र बलों में भर्ती से जुड़ी केंद्र सरकार की 'अग्निपथ' योजना को चुनौती देने वाली सभी जनहित याचिकाओं को दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था।

मूसेवाला हत्याकांड

मुठभेड़ में मारा गया एक गैंगस्टर,100 राउंड से अधिक फायरिंग,दूसरा घिरा

अमृतसर (पंजाब), 20 जुलाई 2022। पंजाब में अमृतसर में चिचा भकना गांव में पुलिस और गैंगस्टर के बीच मुठभेड़ जारी है। बताया जा रहा है कि गैंगस्टरों का लिंक पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड से है। पंजाब पुलिस को जानकारी मिली थी कि गांव में सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड से जुड़े गैंगस्टर छिपे हैं।

इसके बाद पुलिस ने गांव को घेरा और ऑपेशन शुरू किया। गैंगस्टरों ने पुलिस पर फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस के जवानों ने गांव को चारों तरफ से घेर लिया है। यह गांव पाकिस्तान सीमा के नजदीक अटारी के पास स्थित है। सूचना यह मिल रही है कि गैंगस्टर पुलिस पर एके-47 से फायरिंग कर रहे हैं।

एक गैंगस्टर को मार गिराने की भी सूचना-पुलिस सूत्रों के मुताबिक पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल एक गैंगस्टर को पंजाब पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। जानकारी के अनुसार हत्यारोपी जगरूप रूपा और मन्नू कूसा गांव में छिपे थे। एंटी गैंगस्टर फोर्स को छिपे होने की सूचना मिली तो पुलिस ने सारे क्षेत्र को घेर लिया। इस बीच पुलिस और गैंगस्टरों के बीच मुठभेड़ जारी हो गई।

गोलियों की आवाज से गांव गूंज उठा। दोनों तरफ से फायरिंग जारी है। अब तक लगभग 100 राउंड फायरिंग हो चुकी है। पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद है। बताया जा रहा है कि एक गैंगस्टर को पुलिस ने मार गिराया है। जबकि दूसरा अभी छिपा है। पुलिस ने ग्रामीणों को अपने घरों से बाहर न निकले की अपील की है। पुलिस दर्जनों गाड़ियों के काफिले के साथ मुठभेड़ स्थल पर पहुंची है। घटनास्थल पर एंबुलेंस और बख्तरबंद गाड़ियां भी मौजूद हैं।

मोहम्मद ज़ुबैर को राहत दे बोला सुप्रीम कोर्ट-ट्वीट करने से कैसे रोक दें, लगातार हिरासत में नहीं रख सकते

नई दिल्ली, 20 जुलाई 2022। मोहम्मद जुबैर के खिलाफ उत्तर प्रदेश में दर्ज सभी एफआईआर को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। इसके अलावा सभी केसों को दिल्ली में दर्ज एफआईआर के साथ ही क्लब करने का फैसला लिया है। अल्ट न्यूज के को-फाउंडर मोहम्मद जुबैर को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम बेल का भी आदेश दिया है। यही नहीं उनके खिलाफ दर्ज मामलों की जांच के लिए यूपी सरकार की ओर से गठित एसआईटी को भी भंग करने का आदेश दिया है। यही नहीं यूपी सरकार की ओर से मांग की गई थी कि मोहम्मद जुबैर को ट्वीट करने से रोका जाए। इसे शीर्ष अदालत ने सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि ऐसा नहीं हो सकता।

बेंच ने केस की सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसा करना तो वकील को तर्क देने से रोकने जैसा होगा। एक व्यक्ति को बोलने से रोकने जैसा होगा। वह जो कुछ भी करेंगे, उसके लिए कानूनी रूप से जिम्मेदार होंगे। लेकिन एक पत्रकार को हम यह नहीं कह सकते कि वह लिखना ही बंद कर दे। अदालत की इस टिप्पणी को अहम माना जा रहा है और मोहम्मद जुबैर के लिए भी यह बड़ी राहत का सबब है। इसके अलावा अदालत ने कहा कि लगातार हिरासत में रखना सही नहीं है। अदालत ने कहा कि जुबैर के खिलाफ दर्ज केसों में एक ठोस जांच होनी चाहिए और सभी केसों को यूपी से दिल्ली ट्रांसफर किया जाना चाहिए। इसके अलावा एफआईआर को खारिज कराने की मोहम्मद जुबैर की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट जाने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि यूपी में दर्ज सभी एफआईआर में 20,000 रुपये के मुचलके पर मोहम्मद जुबैर को बेल मिल जाएगी। मोहम्मद जुबैर के खिलाफ यूपी में 6 केस दर्ज थे, जिनमें वह लगातार पुलिस की हिरासत में बने हुए थे। धार्मिक वैमनस्यता फैलाने के मामले में उनके खिलाफ केस दर्ज किए थे। गौरतलब है कि यूपी सरकार ने इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में मोहम्मद जुबैर को बेल दिए जाने का विरोध किया था। यूपी सरकार का कहना था कि मोहम्मद जुबैर ने जानबूझकर नफरत फैलाने वाले ट्वीट किए थे और वे आदतन अपराधी रहे हैं।

कार पर पलटा तेज रफ्तार ट्रक, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत,3 लोग गंभीर रूप से घायल

रायबरेली, 20 जुलाई 2022। तेज रफ्तार ट्रक कार पर पलट गया. हादसे में कर में सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई. हादसा हाईवे पर मंगलवार की रात हुआ. मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं. हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि ट्रक पर राख लदी थी. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक पर कोई नंबर नहीं हैं.

यह हादसा उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में हुआ. जानकारी के मुताबिक, परिजन एक ढाबे पर खाना खाने के लिए निकले थे और खाने के बाद घर लौट रहे थे, तभी भारी सामान से लदे ट्रक ने कार को ओवरटेक करने की कोशिश की और कार पर पलट गया. कार और उसमें सवार लोग ट्रक के नीचे दब गए. शवों को बाहर निकालने में काफी समय लगा.

विमान में हड़कंप:विंडशील्ड हवा में टूटी, पलभर के लिए लोगों की थम गई सांसें

नई दिल्ली, 20 जुलाई 2022। गो फर्स्ट की दिल्ली-गुवाहाटी फ्लाइट की विंडशील्ड हवा में टूट गई है. विमान जयपुर डायवर्ट किया गया है. डीजीसीए ने बताया कि दिल्ली-गुवाहाटी के बीच एक गो-फर्स्ट फ्लाइट की विंडशील्ड हवा में टूट गई है. खराब मौसम के कारण विमान दिल्ली नहीं लौटा है. इस विमान को सुरक्षित जयपुर डायवर्ट किया गया है.

विमानों में गड़बड़ी आने के मामले लगातार सामने आ रहा है. ऐसे में फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ रहा है. एक दिन पहले ही गो एयर के विमान में तकनीकी खराबी आने के कारण फ्लाइट डायवर्ट करनी पड़ी थी. DGCA के मुताबिक, गो एयर की मुंबई से लेह और श्रीनगर से दिल्ली की फ्लाइट को इंजन में आई खराबी के कारण डायवर्ट करना पड़ा था. गो एयर के A 320 एयरक्राफ्ट

ने मुंबई से लेह के लिए उड़ान भरी थी. फ्लाइट संख्या त8-386 के दूसरे इंजन के इंजन इंटरफेस यूनिट में तकनीकी खराब आ गई. इसी तरह गो एयर के एक अन्य विमान को भी गड़बड़ी के कारण डायवर्ट करना पड़ा. गो एयर के दूसरे विमान ने श्रीनगर से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी. श्रीनगर से दिल्ली की उड़ान को वापस श्रीनगर भेजा गया था. दोनों विमानों को सुरक्षित लैंड कराया गया था.

पिछले करीब ढाई महीने में तकनीकी गड़बड़ी के कारण 16 फ्लाइट्स प्रभावित हुई है. इनमें से कुछ विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी तो कई विमान लैंडिंग के बाद उड़ान ही नहीं भर सके. अभी दो दिन पहले ही यूएई के शारजाह से हैदराबाद आ रहे विमान को तकनीकी खराबी के बाद पाकिस्तान के कराची डायवर्ट करप इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी थी. विमान में खराबी की घटनाओं को लेकर स्पाइसजेट के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई थी।

झारखंड में महिला सब-इंस्पेक्टर को कुचला, वाहन चेकिंग के दौरान ली जान

रांची ,20 जुलाई 2022। झारखंड की राजधानी रांची से एक दर्दनाक घटना सामने आई है जहां संध्या टोपनो नाम की एक महिला सब-इंस्पेक्टर की बीती रात वाहन चेकिंग के दौरान मौत हो गई। टोपनो तुपुदाना ओपी के प्रभारी के पद पर तैनात थीं। आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन सीज कर लिया गया है। रांची के एसएसपी ने इसकी जानकारी दी।यह घटना बुधवार की सुबह तीन बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मी पहुंचकर दरोगा के शव को अपने कब्जे में ले लिया।

21 अगस्त को गिराया जाएगा ट्विन टावर्स,तैयारी हुई पूरी

नोएडा, 20 जुलाई 2022। नोएडा सेक्टर 93ए में बने सुपरटेक ट्विन टावर को 21 अगस्त को गिराया जाएगा. मंगलवार को नोएडा प्राधिकरण और एडिफिस कंपनी के बीच बैठक हुई, इसमें अपार्टमेंट एसोसिएशन के लोग भी शामिल हुए. एडिफिस ने अपनी एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें साफ कर दिया है कि, 21 अगस्त के दिन दोपहर 2-30 बजे ट्विन टावर को गिराया जाएगा.

कंपनी ने बैठक में इमारत ध्वस्त करने को लेकर क्या क्या तैयारियां हुई और कितना काम रह गया है, इसकी जानकारी दी. इमारत को ध्वस्त करने को लेकर पिलर्स में होल किए जाने लगे हैं. इंजीनियरों ने बताया कि, प्रत्येक टावर के 11 प्राईमरी, सात सेकेन्ड्री तलों पर स्थित पिलर्स में ड्रिलिंग के माध्यम से होल कर दिये गये हैं और पिलर्स पर जीओ फाईबर क्लॉथ रैपिंग की जा चुकी है.

इसके साथ ही होल करने को लेकर केवल नौ पिलर्स ही बचे हैं, जिनमें रैपिंग का कार्य अगले तीन दिनों में पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए. 2 अगस्त से 20 अगस्त तक विभिन्न तलों पर स्थित पिलर्स में किए गए होल्स में विस्फोटक लगाया जाएगा।

नूपुर शर्मा को मारने आया! 5 बसें बदली,20 किलोमीटर पैदल चला;रिजवान के भारत में घुसने की पूरी कहानी

श्रीगंगगानगर, 20 जुलाई 2022। नूपुर शर्मा की हत्या के लिए 11 इंच का चाकू लिए रिजवान अशरफ भारत में घुस आया। लेकिन इससे पहले कि वो अपनी मंशा में कामयाब हो पाता सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। रिजवान के बैग से 2 चाकू मिले हैं। यह भी जानकारी मिली है कि रिजवान को यह नहीं पता था कि नूपुर कहां रहती हैं? वो सिर्फ किसी तरह उन्हें मारना चाहता था।

इस बीच अब यह पता चला है कि आखिर रिजवान भारत में घुसा कैसे? यूं तो पाकिस्तान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अक्सर घुसपैठ कराई जाती है। लेकिन नूपुर की हत्या का प्लान बनाकर भारत में घुसने वाले रिजवान की कहानी कुछ अलग है।

राजस्थान के श्रीगंगानगर के पास बॉर्डर के नजदीक बीएसएफ के जवानों ने रिजवान को संदिग्ध हालत में देखा तो उसे वहीं धर दबोचा। 16 जुलाई की रात करीब 11 बजे हिंदुमलकोट बॉर्डर फेंसिंग पर BSF पेट्रोलिंग टीम ने रिजवान को पकड़ा था।

अब रिजवान अशरफ से पूछताछ में कई खुलासे हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि रिजवान अशरफ गूगल मैप की सहायता से सीमा के नजदीक तक पहुंचा था। पुलिस ने बताया है कि 24 साल के रिजवान अशरफ का घर इंटरनेशनल बॉर्डर से करीब 180 किलोमीटर दूर है। वो पाकिस्तान में स्थित पंजाब सूबे क कोठियाल शेख का रहने वाला है।

भारत में आने के लिए इस घुसपैठिये ने 5 बसें बदलकर बॉर्डर के नजदीक पहुंचा। बॉर्डर पार करने के लिए 20 चरूपैदल चला। गूगल मैप के सहारे उसने यह दूरी तय की।

पूछताछ में पता चला है कि पैगम्बर मोहम्मद पर नूपुर शर्मा के विवादित बयान देने के बाद से रिजवान बहुत गुस्से में था। वो उन्हें मारना चाहता था। इसीलिए वो अपने गांव से बॉर्डर क्रॉस करके भारत में घुसा था।

पुलिस के मुताबिक, उसे नहीं पता था कि वह भारत की किस पोस्ट पर पहुंचेगा या नूपुर शर्मा कहां रहती है। इसके बावजूद उसने भारत आने का फैसला किया। फिलहाल अब पकड़े जाने के बाद उससे पूछताछ चल रही है।

यह भी पता चला है कि जब नूपुर शर्मा ने विवादित बयान दिया था। तब पाकिस्तान में मौलानाओं की एक बैठक हुई थी। इस बैठक में रिजवान भी शामिल हुआ था।

मासूम से हैवानियत : 7 साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या,पहचान छुपाने के लिए चेहरे को कुचला

फतेहपुर, 20 जुलाई 2022। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के हुसैनगंज इलाके के एक गांव में सात साल की मासूम बच्ची का यौन उत्पीड़न कर उसकी हत्या कर दी गई. आरोपियों ने अपनी पहचान छुपाने के लिए उसके चेहरे को कुचला दिया.

पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार शाम बच्ची का शव एक सुनसान जगह से बरामद किया गया. उन्होंने आगे बताया कि दोपहर करीब तीन बजे से बच्ची लापता थी. सोमवार को उसके घर नहीं लौटने पर पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस और ग्रामीणों ने तलाशी ली तो एक सुनसान घर के लॉन पर मिट्टी से निकला हुआ एक हाथ दिखाई पड़ा. सिंह ने कहा कि लॉन की खुदाई के बाद बच्ची के शव को बाहर निकाला गया.

इस दौरान बच्ची के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था और पहचान छिपाने के लिए चेहरे को बुरी तरह से कुचला गया था. बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सरकारी दुकानों से राशन लेने के नियमों में हुआ बड़ा बदलाव! नए प्रावधान

नई दिल्ली, 20 जुलाई 2022। राशन कार्ड के लाभार्थियों के लिए काम की खबर है. खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने राशन कार्ड के नियमों में बदलाव का फैसला लिया है. दरअसल, विभाग ने सरकारी राशन की दुकानों से राशन लेने वाले पात्र लोगों के लिए तय किये गए मानक में बदलाव कर रहा है. नए मानक का प्रारूप अब लगभग तैयार हो गया है. बताया जा रहा है कि इस संबंध में राज्य सरकारों के साथ कई दौर की बैठक भी हो चुकी है. आइए जानते हैं क्या होगा नए प्रावधान में

अपात्र भी ले रहे हैं लाभ

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के अनुसार, इस समय देशभर में 80 करोड़ लोग नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट का लाभ उठा रहे हैं. इनमें कई लोग ऐसे भी हैं जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं. इसे ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक वितरण मंत्रालय मानकों में बदलाव करने जा रहा है. दरअसल, अब नए मानक को पूर्णतः पारदर्शी बनाया जाएगा ताकि किसी तरह की गड़बड़ न हो सके.

जानिए क्यों हो रहे हैं बदलाव

इस संबंध में खाद्य एवं

सार्वजनिक वितरण विभाग ने जानकारी दी है कि राशन के मानकों में बदलाव को लेकर पिछले कई महीनों से राज्यों के साथ बैठक की जा रही है. राज्यों द्वारा दिए गए सुझाव को शामिल करते हुए पात्रों के लिए नए मानक तैयार किए जा रहे हैं. जल्दी ही ये मानक फाइनल कर दिए जाएंगे. नए मानक लागू होने के बाद केवल पात्र व्यक्तियों को ही लाभ मिलेगा, अपात्र लोग लाभ नहीं पा सकेंगे. यह बदलाव जरूरतमंदों को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है.

वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के मुताबिक अब तक 'वन नेशन, वन राशन कार्ड (ह्हह्त्रष्ट) योजना' दिसंबर 2020 तक 32 राज्यों और यूटी में लागू हो चुकी है. करीब 69 करोड़ लाभार्थी यानी एनएफएसए (ह्स्न्स्न) के तहत आने वाली 86 फीसदी आबादी इस योजना का लाभ ले रही है. प्रति माह करीब 1.5 करोड़ लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर भी लाभ ले रहे हैं. ऐसे में सरकार अब पत्रों को हरसंभवतः मदद करना चाहती है।

रोड के निर्माणाधीन पुल की सेटरिंग गिरी,2 मजदूरों की मौत,6 घायल

रुद्रप्रयाग, 20 जुलाई 2022। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर नारकोटा में निमार्णाधीन पुल के एक एबेंडमेंट में ऊपर से मलबा गिर गया. मलबे में दबे दो मजदूरों की मौत हो गई है. जबकि छह मजदूर घायल हो गए. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

बुधवार सुबह रुद्रप्रयाग में ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे पर नारकोटा में बड़ा हादसा हो गया. निमार्णाधीन पुल की सैटरिंग गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई. मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने मजदूरों को निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया. आठ मजदूर यहां काम पर लगे थे. तभी यह हादसा हो गया है. इस हादसे में दो मजदूरों की जान चली गई. जबकि छह घायल हो गए.

रोड के निर्माणाधीन पुल की शटरिंग गिरी, 2 मजदूरों की मौत, 6 घायल

रुद्रप्रयाग. ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर नारकोटा में निमार्णाधीन पुल के एक एबेंडमेंट में ऊपर से मलबा गिर गया. मलबे में दबे दो मजदूरों की मौत हो गई है. जबकि छह मजदूर घायल हो गए. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

बुधवार सुबह रुद्रप्रयाग में ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे पर नारकोटा में बड़ा हादसा हो गया. निमार्णाधीन पुल की सैटरिंग गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई. मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने मजदूरों को निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया. आठ मजदूर यहां काम पर लगे थे. तभी यह हादसा हो गया है. इस हादसे में दो मजदूरों की जान चली गई. जबकि छह घायल हो गए.

भारी बारिश के कारण पहाड़ों पर भूस्खलन हो रहा है. नदी नाले भी उफान पर हैं. देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर, पिथौरागढ़, हरिद्वार समेत राज्य के नौ जिलों में अगले 24 घंटे के भीतर भारी से बहुत भारी बारिश के आसार हैं।

संपादकीय

यशवंत सिन्हा क्या रिकॉर्ड बनाएंगे?

सबको पता है कि राष्ट्रपति के चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा जीत नहीं पाएंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का जीतना तय है। इसके बावजूद यशवंत सिन्हा ने बहुत कमाल की लड़ाई लड़ी। अपनी तमाम कमियों और सीमाओं के बावजूद उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक विपक्ष को एकजुट करने का काम किया। हालांकि तब भी किसी न किसी मजबूरी से कुछ विपक्षी पार्टियां उनको वोट नहीं दे रही हैं। इसके बावजूद वे सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाले विपक्षी उम्मीदवारों की सूची में शामिल हो सकते हैं। उनको 38 फीसदी वोट मिल सकता है। मतदान के दिन तक के आंकड़ों के मुताबिक एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पास 61.6 फीसदी वोट थे। अंतिम नतीजे 21 जुलाई को आएंगे।

सिर्फ दो बार विपक्षी उम्मीदवारों को 35 फीसदी से ज्यादा वोट मिले हैं। पहली बार 1967 में निर्दलीय के सुब्बा राव को 43.5 फीसदी वोट मिला था। तब डॉक्टर जाकिर हुसैन 56.2 फीसदी वोट लेकर जीते थे। दूसरी बार 1969 में नीलम संजीव रेड्डी को 49.1 फीसदी वोट मिला था। लेकिन 1969 के चुनाव को सामान्य चुना में नहीं गिना जा सकता है क्योंकि उसमें दोनों उम्मीदवार सत्ता समर्थित थे। कांग्रेस पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी का समर्थन किया था, जबकि इंदिरा गांधी ने निर्दलीय वीवी गिरी को समर्थन दिया था। अब तक के इतिहास के सबसे नजदीकी मुकाबले में वीवी गिरी 50.9 फीसदी वोट लेकर जीते थे और नीलम संजीव रेड्डी को 49.1 फीसदी वोट मिला था। बाद में 1977 के चुनाव में वहीं नीलम संजीव रेड्डी पहले और इकलौते निर्विरोध राष्ट्रपति बने।

बहरहाल, 1952 के पहले राष्ट्रपति चुनाव से लेकर 2017 के 14वें राष्ट्रपति चुनाव सिर्फ एक बार किसी भी विपक्षी उम्मीदवार को 35 फीसदी वोट मिला है। पिछले यानी 2017 के चुनाव में विपक्ष की उम्मीदवार मीरा कुमार को 34.35 फीसदी वोट मिले थे। उनसे पहले 2007 के चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार भैरोसिंह शेखावत को 34.2 फीसदी वोट मिले थे और 65.8 फीसदी वोट के साथ प्रतिभा पाटिल जीती थीं। उससे पहले प्रणब मुखर्जी के खिलाफ भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष ने पीए संगमा को उतारा था, जिनको 30.07 फीसदी वोट मिले थे। उनसे पहले शेखावत को 34.4 फीसदी वोट मिले थे। उससे पहले 2002 एपीजे अब्दुल कलाम और 1997 में केआर नारायणन को भाजपा और कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियों ने समर्थन दिया था। दोनों 90 फीसदी या उससे ज्यादा वोट लेकर जीते थे। राष्ट्रपति के पहले तीन चुनावों में विपक्षी उम्मीदवार बहुत कम वोट ले पाए थे। पहले चुनाव में डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद मुकाबले केटी शाह को 15 फीसदी वोट मिले थे। लेकिन उसके बाद 1957 में राजेंद्र प्रसाद के दूसरे चुनाव में और 1962 के एस राधाकृष्णन के चुनाव में विपक्षी उम्मीदवारों को एक से दो फीसदी वोट मिले थे।

आखिर कब बंद होगा देश में अवैध कारोबार का गोरख धंधा, क्या अवैध कारोबारियों के बल पर ही टिकी हैं सरकारें?

रवि सिंह
कटकोना
कोरिया (छत्तीसगढ़)

- » हरियाणा में डीएसपी पर चढ़ाया गया डम्फर,प्रदेश में भी होता है अवैध कारोबार।
- » अवैध उत्खनन माफियाओं को मिलता है राजनीतिक एवं प्रशासनिक संरक्षण।
- » क्या कभी बंद भी हो सकेगा यह संरक्षण मिलने का सिलसिला या मरते रहेंगे शासकीय कर्मचारी।
- » बात पुलिस की आई तो एनकाउंटर भी तत्काल हुआ,आम व्यक्ति की बात होती आरोपी अज्ञात ही होता।
- » आखिर क्यों पुलिस पर हमले के बाद ही एनकाउंटर होता है, आम लोगों की जान की क्यों नहीं है कीमत?

अपराध बढ़ रहा है शासन प्रशासन का भय सरकारों का भय माफियाओं के बीच खत्म हो गया है और यह भय तभी सामने आता है जब शासन प्रशासन पर माफिया सीधे हमला करते हैं यह कहना कहीं से गलत नहीं होगा आम आदमी पर हुए हमले या आम आदमी की माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही की मांग दबी रह जाती है उसे कानून का भी संरक्षण नहीं मिल पाता यह प्रायः देखा जा रहा है। उत्तरप्रदेश में विकास दुबे एनकाउंटर की बात की जाए या हरियाणा में डीएसपी पर डम्फर चढ़ाने वाले ड्राइवर को गोली मारकर गिरफ्तार करने की बात दोनों ही मामलों में सीधे माफियाओं ने प्रशासन पर हमला किया था खासकर कानून व्यवस्था सम्हालने वाली पुलिस पर हमला किया था इसलिए त्वरित रूप से एनकाउंटर कर मामले में माफियाओं पर कार्यवाही नजर आई। आखिर माफियाराज क्यों हावी है? व्यवस्था पर यदि इस प्रश्न का उत्तर ढूंढा जाए तो इसके पीछे की मूल वजह जो सामने आएगी वह यह आएगी की माफियाओं को संरक्षण देने के पीछे और किसी का हांथ नहीं है शासन प्रशासन के नुमाइंदे और राजनीतिक लोगों का ही संरक्षण माफियाओं को प्राप्त होता रहता है और संरक्षण की वजह से उनका मनोबल इतना बढ़ जाता है कि वह शासन प्रशासन के नुमाइंदों पर भी वक्त आने पर अपने काम मे रोड़ा अटकाने पर हमला करने से बाज नहीं आते। अभी हालिया घटनाक्रम जिसमें हरियाणा में पुलिस विभाग के डीएसपी पर डम्फर चढ़ा दिया गया और डीएसपी की मौत हो गई इस मामले में खनन माफिया का हांथ था और यह खनन माफिया केवल एक दिन का ही अवैध कारोबार कर रहे थे ऐसा नहीं है सतत रूप से जारी अपने उस अवैध कार्य मे यह लिप्त थे जिस काम का माफियाओं को शासन प्रशासन से ही संरक्षण

माफिया ने पत्थरों से भरे डंपर से कुचला

मिला हुआ था और वह संरक्षण के बावजूद रोड़ा अटकाने वाले पुलिस अधिकारी को सबक सिखाने सीधे उनकी हत्या तक को अंजाम दे डाले जो उनके बढ़ चुके मनोबल को समझने के लिए काफी है।

आज देश के हर राज्य में अवैध कारोबार से जुड़े माफिया अपना धंधा शासन प्रशासन के संरक्षण में बेखौफ होकर संचालित कर रहें हैं यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। सबसे अधिक यदि कोई अवैध कारोबार संचालित है तो वह है अवैध उत्खनन का। खनिज संपदाओं का बेखौफ उत्खनन हर राज्य में वहां उपलब्ध खनिज संपदाओं के हिसाब से जारी है। कहीं रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है,कहीं पत्थरों का कहीं कोयले और कहीं लकड़ियों का सभी अवैध कार्य निश्चिन्त होकर इसमें संलिप्त माफिया संचालित कर रहें हैं यह जानी जुनाई बात है। शासन प्रशासन के नुमाइंदों को इसकी खबर नहीं यह ऐसा कहना गलत होगा,उनको भलीभांति मालूम है कि कौन किस जगह क्या अवैध कार्य कर रहा है और वह किसके संरक्षण में कर रहा है। कहीं राजनीतिक संरक्षण की वजह से शासन प्रशासन मजबूर है कहीं खुद ही अवैध कार्यों को संचालित करने में मददगार है शासन प्रशासन। कुल मिलाकर माफियाओं पर कार्यवाही तभी हो पाती है जब उनका निशाना किसी शासन प्रशासन के नुमाइंदे पर होता है यह उनको क्षति पहुंचती है। कई बार देखा गया है कि अवैध कार्यों में लिप्त लोगों पर कार्यवाही अपने क्षेत्र से अवैध उत्खनन को बंद कराने स्थानीय निवासी शासन प्रशासन से मांग करते नजर आते हैं लेकिन कार्यवाही नहीं होती बल्कि मांग करने वालों पर ही माफिया हमला कर देते हैं और उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं जिसपर शासन प्रशासन मौन रहता है और यहीं से माफियाओं का मनोबल इतना बढ़ जाता है कि वह शासन प्रशासन पर हमला करने से भी परहेज करना छोड़ देते हैं जिसकी परिणीति ही है हरियाणा की घटना।

देश के सभी राज्यों में जारी किसी न किसी तरह के अवैध कार्य की जानकारी होने के बाद भी शासन प्रशासन की तरफ से कार्यवाही नहीं किया जाना ही इन कार्यों में लिप्त लोगों को बढ़ावा दे रहा है। आज किसी भी राज्य में अवैध कार्यों पर अंकुश लगाने वहां की सरकार को सक्रिय देखा जा रहा हो या शासन प्रशासन को सजग देखा जा रहा हो ऐसा नहीं है। अवैध उत्खनन एक ऐसा अवैध कार्य है जिसमे आमदनी बड़ी है और जोखिम भी कई गुना है बावजूद केवल मुनाफे के कारण इसमें लिप्त लोग हर खतरा उठाने तैयार रहते हैं। खतरा उठाने के साथ साथ वह पूरी ईमानदारी से शासन प्रशासन के नुमाइंदों को भी इसमें अप्रत्यक्ष रूप से शामिल करके चलते हैं यह बात भी सर्वविदित है। शासन प्रशासन के नुमाइंदे भी लालच में आकर उनका अप्रत्यक्ष रूप से साथ देते हैं अपनी आंखें बंद कर माफियाओं को उनका काम करने देते हैं।

मुर्गे का दर्द

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम छत्तीसगढ़

कुकड़ूँ कूँ आवाजों से हम, सब को सुबह जगाते हैं।
कुछ दिन की जिंदगी हमारी, फिर भी मारे जाते हैं।।
मुर्गा मुर्गी सारे चूजे, जाते लेकर हम टोली।
ढूँढ़-ढूँढ़ कर खाते दाने, करते हम मीठी बोली।।
सुंदर सा परिवार हमारा, मानव समझ न पाते हैं।
कुछ दिन की जिंदगी हमारी, फिर भी मारे जाते हैं।।
रखते हम को कैद करा कर, जाली में भर देते हैं।
दाम हमारा कम ज्यादा कर, मानव हम को लेते हैं।।
हमें बताओ गलती यारों, हम तो सुबह जगाते है।
कुछ दिन की जिंदगी हमारी, फिर भी मारे जाते हैं।।
कमी नहीं है खाने को जी, किसम - किसम पकवाने है।
हरी भरी सी साग सब्जियाँ, इनके भी दीवाने हैं।।
फिर भी देखो इंसानो को, नोंच-नोंच कर खाते हैं।
कुछ दिन की जिंदगी हमारी, फिर भी मारे जाते हैं।।
पल-पल साँस कीमती होती, नहीं चैन से सोते हैं।
बीवी बच्चे यारी दोस्ती, तड़प-तड़प कर रोते हैं।।
दया दिखाओ कुछ तो भगवन, मानव समझ न पाते हैं।।
कुछ दिन की जिंदगी हमारी, फिर भी मारे जाते हैं।।

स्त्री ही स्त्री की दुश्मन

भावना
ठाकर भावु
बेंगलोर,
कर्नाटक

अर्थात, जब स्त्री का स्वभाव और पुरुषों के भाग्य के बारे में देवता नहीं जान पाए तो मनुष्य क्या चीज है। हर तीसरी पोस्ट पर स्त्री विमर्श और स्त्रियों के हक में ही लिखा जाता है। स्त्री सम्मान की भावना को लेकर पुरुष को जानें कितनी बातें सुनाई जाती है। मर्द स्त्री का सम्मान करें न करें ये दूसरी बात है, पर क्या माँ, बहन, बेटी, सास, बहू और सहेली इन सबके मन में खुद परस्पर एक दूसरे के लिए सम्मान की भावना होती है? क्या एक स्त्री दूसरी स्त्री का सम्मान करना जानती है।

राग, द्वेष, ईर्ष्या ग्रस्त मन जितना स्त्री का है उतना पुरुष का नहीं। यहां तक कि दो जिगरजान कहलाने वाली दो सखियों के मन में भी कहीं न कहीं एक दूसरे के लिए ईर्ष्या भाव पनपता रहता है। ऐसे में सास-बहू, देवरानी-जेठानी या ननद-भाभी के बीच सामंजस्य की आशा रखना गलत है।

भले हर औरत ऐसी नहीं होती पर अधिकतर महिलाएं ऐसी ही होती है। माँएं बेटी को हर तरह के संस्कार देगी, हर काम सिखाएगी पर बेटी को ये सीखाया नहीं जाता कि अपनी सास को माँ समझना, जेठानी को बड़ी बहन और ननद को सहेली समझना। इससे विपरित ससुराल को कालापानी की सज़ा बताकर अपनी बेटी को यही सिखाया जाता है कि सास से दबना नहीं, सारा काम अकेले मत ढ़ोना, जेठानी का हुकूम बिलकुल मत मानना और ननद के नखरें तो बिलकुल मत उठाना। ना हि सास अपनी बहू को बेटी समझने की शुरुआत करती है। बहू कामकाजी है तो कितनी सास ऑफ़िस से थकीहारी लौटी बहू को चाय पिलाती है, या गर्म रोटी बनाकर परोसती है? या कौनसी जेठानी देवरानी को छोटी बहन समझकर हर काम में हाथ बटाती है, ना हि ननद भाभी को वो सम्मान देती है। बहुत ही कम स्त्रियों में ये समझ होती है। और औरतों की यही कमी परिवार को बांटने का काम करती है।

दहेज के लिए प्रताड़ित भी सास ही बहू को करती है, बेटी पैदा होने पर तानें भी सास ही बहू को मारती है। क्यूँ सास बहू के पक्ष में नहीं होती? कहा तो जाता है कि महिलाओं में क्षमा, दया जैसे प्राकृतिक गुण होते हैं, लेकिन आजमा कर देखिए उनकी यह दरियादिली की बारिश में भीगने का अवसर पुरुषों को ही ज्यादा मिलता है। जब लड़की ब्याह कर जाती है तो ससुर, देवर और नन्दोई उनके लिए किसी देवता से कम नहीं होते, लेकिन बेचारी सास या ननद साक्षात विलेन का ही स्वरूप होती है। वे हर किसीको आसानी से माफ कर देती है, लेकिन सास को? इस पर तो शायद कोई लड़की सोचना ही पसंद नहीं करती।

कहीं भी देख लीजिए महिला को महिला के विरुद्ध ही पाएँगे। फिर वह चाहे शिक्षित हो, या निरक्षर। सदियों से यही चला आ रहा है और सदियों तक चलता रहेगा। बस एक बार सास बहू में बेटी का रुप देखें और बहू सास में माँ का रुप कसम से ÷स्त्री ही स्त्री की दुश्मन÷ कथन का साहित्य के हर पन्नों से विसर्जन हो जाएगा।

पर गोसिप में माहिर स्त्रियाँ एक मौका नहीं छोड़ती अपने आस-पास बसी औरतों को नीचा दिखाने का। अक्सर किटी पार्टियों में एक स्त्री दूसरी स्त्री को नीचा दिखाने का काम ही करती है। स्टेटस से लेकर पहनावा, पसंद और रहन-सहन पर टिप्पणी करते खुद को सुंदर, सक्षम और समझदार दिखाने की स्त्रियों में होड़ लगी रहती है।

मर्द इस तरह की हरकतें बहुत कम करते होंगे। परिवार की नींव होती है स्त्रियां। हर माँ का फ़र्ज़ है अपनी बेटी को ये सीखाना की तुम्हारे जीवन में आनेवाली हर स्त्री का सम्मान करना। जब तुम सामने वाले को मान दोगी, अच्छा व्यवहार रखोगी तभी तुम्हें सम्मान मिलेगा। पहले हर स्त्री को एक दूसरे को समझने की जरूरत है, एक दूसरे को मान देते साथ और सहारा देने की जरूरत है। चाहे दोस्ती हो, परिवार हो या समाज स्त्री जब दूसरी स्त्री का सम्मान करना सीख जाएगी तब विभक्त परिवार एक होंगे, अखंड परिवार की शुरुआत होगी, अपनेपन और शांति सभर समाज का गठन होगा।

सिर्फ़ मर्दों से ये आशा न रखें की मर्द हर औरत का सम्मान करें स्त्रियों से भी ये अपेक्षा रखी जाएँ। हर बेटी को बचपन से ही ये सिखाया जाए तभी सदियों से चली आ रही परंपराएं टूटेगी। सास बहू के संबंध माँ बेटी जैसे बनेंगे और ईर्ष्या भाव का शमन होते ही समाज संस्कारवान दिखेगा।

जिंदगी भूल गए

नीक राजपूत
नई दिल्ली

आँखें बंद कर के हम सोना भूल गए।
करवटें बदल कर हम रोना भूल गए।
क्या चाँद क्या सूरज और क्या सितारे
हम तो अपने ख़ुदा को भी भूल गए।
खवाब देखतें देखतें बहुत आगे चले
गए और पीछे देखना हम भूल गए।
ख़ुद को इतना भुला दिया हम ने की
आईने के सामने भी खुद को भूल गए।
दौरे पड़ने पर भी पता नहीं चला हमें
हम ज़िंदगी के लिए ज़िंदगी भूल गए।

हां,हम आजाद हैं

प्रोफेसर शाम
लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

हमारे देश में हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस बहुत धूमधाम और जोश से मनाया जाता है। देश के अलग-अलग भागों में बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं, एनसीसी के कैडेटों द्वारा परेड की जाती है, नेताओं के भाषण अपनी अपनी सरकारों के द्वारा किए गए कामों तथा उपलब्धियों का वर्णन करते हैं और कुछ नेता अपनी सरकारों के द्वारा भविष्य में कुछ और काम किए जाने के वायदे भी करते हैं। आजादी के जश्न को देश के अलग-अलग भागों में अपने-अपने ढंग से मनाया जाता है। यह आजादी के जशनअंग्रेजी सरकार से आजाद होने के लिए ही मनाए जाते हैं। आज हमारे देश में सब अपने-अपने ढंग से आजाद हैं और अपने अपने ढंग से चांदी कूट रहे हैं। सारा देश भ्रष्टाचारियों की मुट्ठी में कैद है।वे कितना भ्रष्टाचार करना चाहे, कब करना चाहें, कैसे करना चाहें, यह सब करने के लिए वो उसी तरह स्वतंत्र हैं जिस तरह जम्मू कश्मीर में आतंकवादी जब चाहे, जहां चाहे और जैसे चाहे हमला कर सकते हैं। कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। देश में अलग-अलग किस्म के घोटाले और घपले करने की आजादी है। वह बात अलग है कि समय समय पर सरकार अपनी कार्रवाई के द्वारा इनका पर्दाफाश करने की कोशिश करती है, कुछ लोगों को सजा भी मिलती है लेकिन इसके बावजूद भी घोटाले और घपले जाने अनजाने में होते ही रहते हैं। हमारे राजनेताओं को पूरी आजादी मिली हुई है।वो सत्ता से चिपके रहने के लिए अपनी पुरानी पार्टी छोड़कर नई पार्टी ज्वाइन कर सकते हैं, उन्हें पता है कि विपक्ष में रहकर उनकी कोई ना कोई गैर कानूनी गतिविधि का सरकार को पता चल जाएगा और इनकम टैक्स, सीबीआई या ईडी आदि में से किसी ना किसी किसी के शिकंजे में वो फस जाएंगे इसलिए पाला बदलकर सत्ता पक्ष के साथ मिल जाते हैं और किसी कानूनी कार्रवाई से उन्हें छुटकारा मिल जाता है। हमारे जनप्रतिनिधियों को पूरी आजादी मिली हुई है।वो सदन में जाएं या ना जाएं और अगर जाएं भी तो कितनी देर वहां बैठे, सदन की कार्रवाई में हिस्सा लें, सरकार के खिलाफ नारेबाजी करें, किसी को बोलने पर रुकावट पैदा करें, सदन में धरना दें, अध्यक्ष की अनुमति के बिना बोलें, सदन से वाकआउट कर लें आदि आदि। हमारे जनप्रतिनिधियों को यह सब कुछ करने की आजादी है। और तो और वे सदन में कार्रवाई से संबंधित कागजात फाड़ सकते हैं, माइक फेंक सकते हैं। इनको पूरी आजादी है।

हमारे देश में काला धंधा करने वालों को पूरी आजादी मिली हुई है। उत्पादक लोग मिलावटी सामान बना सकते हैं, ब्रांडेड चीजों के डुप्लीकेट बना सकते हैं, अपनी वस्तुओं की मनमाफिक कीमतें वसूल कर सकते हैं, कम तोल सकते हैं, अपने द्वारा बेची जाने वाली वस्तुओं की आर्टिफिशियल शॉर्टेज पैदा करके कालाबाजारी कर सकते हैं, इनकम टैक्स से बचने के लिए अपने काम धंधों के कई कई बही खाते रख सकते हैं। अगर कोई हरिश्चंद्र का चेला सख्त ऑफिसर उनके इन काले धंधों का पर्दाफाश करने की कोशिश करता है तो रिश्वत से उसका मुंह बंद कर दिया जाता है। अगर बेचे जाने वाले सामान के नमूने लेबोरेटरी में भेजे जाते हैं तो उन्हें रिश्वत देकर बदलवा दिया जाता है या उनकी रिपोर्ट अपने पक्ष में कर ली जाती है। इस तरह काला धंधा करने वालों का काम दिन दुगनी और रात चौगुनी तरक्की कर रहा है। यह है हमारी आजादी का कमाल। सरकारें आई और सरकारें गई, काला धंधा बदस्तूर जारी है।

देश में आज़ादी मिलने से हमारे यहां अपराधियों को भी बहुत फायदा हो गया है। जेल में अब वे सही मानों में सरकारी जमाई बनकर रहते हैं! खूंखार कैदियों से तो जेल का सारे के सारे स्टाफ थरथर कांपता है प्रत्येक खूंखार अपराधी में उन्हें शोले फिल्म का गब्बर सिंह दिखाई देता है। इन अपराधियों को जेल में रहकर सारी सुख सुविधाएं मिलती है। यह लोग जेल में ही जन्मदिन मनाते हैं, मोबाइल फोन, शराब और दरबार लगाना इनका बाएं हाथ का खेल है। कमाल की बात तो यह है कि ये लोग जेल में रहकर भी बाहर अपराधों का संचालन करते रहते हैं, इसका उदाहरण अभी-अभी पंजाब के लोकप्रिय गायक, सिद्धू मूसा वाला का कत्ल है जिसे कि जेल में रहने वाले कुछ गैंगस्टरों ने मिलकर अंजाम दिया। हमारे यहां उम्र कैद या फिर फांसी की सजा वाले कैदी भी ठाठ से समय बिताते हैं। और उनमें से कुछ कैदी राजनीतिक तिकड़मबाजी के द्वारा जेल से बाहर आ जाते हैं। हमारे यहां जितनी आजादी चोरों, बलात्कारियों, कातिलों, आतंकवादियों, भ्रष्टाचारियों, मिलावट करने वालों, कानून का मजाक करने वालों आदि को है उतना और किसी को नहीं। इसे कहते हैं आज़ादी का तोहफा।

आजादी मिलने के बाद आम जनता तो और भी खुश हैं। किसी जमाने में पत्नी पति के पैर की जूती समझी जाती थी। लेकिन आजकल स्थिति बदल गई है। सरकार के द्वारा महिला सशक्तिकरण के अधीन महिलाओं के ऊपर हाथ उठाना, दहेज प्रताड़ना, मानसिक उत्पीड़न, बिना पत्नी की इच्छा के उसको हाथ लगाना भी गैरकानूनी माना जाता है। आजकल तो बहुत सारी पत्नियां सरकार के द्वारा उनके पक्ष में बनाए कानूनों का बहाना बनाकर अपने पतियों तथा ससुराल वालों के खिलाफ पुलिस में झूठी रिपोर्ट लिखवा कर उनसे पैसे वसूल करती है और उनका नाक में दम कर देती है। यह है आजादी का नया मतलब। किसी जमाने में औरतें अपना सारा शरीर ढक कर रखती थी और घूंघट ओढ़ती थी। लेकिन अब वो जमाना लद गया है। औरतें नए नए फैशन के न्यूनतम वस्त्र पहनकर फैशन परेड में जाती है और कई प्रतियोगिताओं में भाग लेती हैं। महिलाओं को मिली आजादी के तहत उनका इस्तेमाल न्यूनतम वस्त्रों के द्वारा टीवी चैनलों पर विज्ञापनों के लिए किया जाता है। आजकल तो महिलाओं को इतनी आजादी मिलती है कि वो विवाहित होने के बावजूद भी गैर मर्द के साथ कितने समय के लिए चाहे रह सकती। महिलाओं को मिली आजादी का यह नया मतलब है। यूं तो पुरुष तथा स्त्री का विवाह करके इकट्ठे रहना एक स्वाभाविक परंपरा है। लेकिन आजकल समान लिंग वाले पुरुष और पुरुष तथा महिलाएं और महिलाएं भी आपस में विवाह करने के लिए आजाद है। इस तरह हमारे देश में हर कोई आजादी का अपने-अपने ढंग से लुत्फ उठा रहा है। अगर कोई अनाड़ी इसका मजा ना लूट सके तो यह उसका ही कसूर है, इसमें कोई क्या कर सकता है।

खेतों में करंट से मरते किसान,क्या हो समाधान?

-प्रियंका
सौरभ
नई दिल्ली

कारण जो भी हो, यह बहुत दुखद है कि हमारे किसान, हमारे देश के खाद्य प्रदाता, अपनी दैनिक दिनचर्या को ईमानदारी से निभाने में मर रहे हैं। नयी योजनाओं के साथ-साथ बिजली के ढीले तार ठीक करना, हाईवोल्टेज बिजली पोल का समाधान ढूंढना, खेत में लगाई जाली से बचना, रात को पानी चलाते समय सावधानी खेतों में किसानों को असमय मौत से बचा सकती है।

भारत में हर साल लगभग 11 हजार कृषि श्रमिकों की मौत बिजली के करंट से हो रही है। हर दिन औसतन 50 लोगों की मौत हो रही है। इसका कारण वायरिंग, कट और गिरी हुई ट्रांसमिशन लाइनों में मानकों का पालन न करना, उम्र बढ़ने, जंग और नम परिस्थितियों में मोटर केसिंग और कंट्रोल बॉक्स पर कंडक्टिव पथ के गठन के कारण होता है। कारण जो भी हो, यह बहुत दुखद है कि हमारे किसान, हमारे देश के खाद्य प्रदाता, अपनी दैनिक दिनचर्या को ईमानदारी से निभाने में मर रहे हैं।

देश भर में किसानों के खेतों से गुजरने वाली उच्च वोल्ट विद्युत धारा के लिए लगाए गए टावर पोल जन जीवन एवं जीव-जंतुओं के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं। एक और मोबाइल टावरों की भरमार हो गई है वहीं अब किसानी भूमि में न केवल कम वोल्ट के लिए लगाए गए पोल बल्कि उच्च वोल्ट के पोल की भरमार हो गई है। किसानों के खेतों में बिजली की लाइनों का जाल बिछा है।

किसानों, जीवों एवं आम जन के लिए सबसे अधिक खतरा उच्च वोल्ट की लाइन ले जाने वाली टावर पोल से बन गया है। इन लाइनों के चलते किसानों का जीना ही हराम हो गया है। टावर पोल के पास से गुजरने वाली या उसके नीचे से गुजरने वाली बिजली लाइन पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है। किसानों को अपने खेतों में फव्वारा पाइप को ऊंचा उठाने से जान को खतरा बढ़ जाता है। जरूरी नहीं टावर पोल की लाइन से पाइप का छूना अपितु इसके नजदीक जाने पर ही यह बिजली लाइन अपनी ओर पाइप को खींच लेती है।

खेतों से गुजरने वाली टावर लाइन का कुप्रभाव जन-जीवन पर पड़ रहा है। यही नहीं अगर कोई व्यक्ति लोहे का छलना लेकर भी टावर के पास से गुजरा तो बिजली का झटका लगता है। जब फसल को काटकर इकट्ठा करके बड़ी लाइन के नीचे से ले जाते हैं तो कई बार करंट आ जाता है। किसानों के साथ-साथ जंगली पक्षियों पर विशेषकर इन टावर पोल की लाइन से निकलने वाली बिजली तरंगें तथा मोबाइल टावर की विकिरण पक्षियों के लिए घातक साबित हो रही है। पास में रहने वाले लोगों में कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। पेड़ पौधे भी नष्ट हो जाते हैं या फिर लाइन बिछाते वक्त काट डाले हैं।

टावर पोल भी तीन प्रकार के होते हैं। जिनमें से एक पावर हाउस में बिजली लाने या ले जाने के लिए बनाए जाते हैं जो छोटे होते हैं दूसरे पोल मध्यम दर्जे के तथा तीसरे मास्टर पोल होते हें जिन्हें निचाई वाले स्थानों पर लगाया जाता है। एक टावर पोल करीब 200 गज के करीब जगह में लगाया जाता है। इनके ऊपर से गुजरने वाले तारों से जब बिजली गुजरती है तो दूर तक आवाज सुनाई पड़ती है।

जिस जगह से लाइन गुजरने के लिए मंजूर हो जाती है उसी जगह से ही गुजरती है। जिस किसी किसान के खेत से लाइन गुजरती है और पोल गाड़ा जाता है उसे करीब 60 हजार रुपये का मुआवजा मिलता है मगर पूरी जिंदगी इस समस्या को झेलना पड़ता है। जिस खेत से टावर पोल की बिजली गुजर रही है उसके नीचे से गुजरने वाली छोटी बिजली की लाइन अक्सर फाल्ट हो जाती है। यदि ट्रांसफार्मर पर फ्यूज लगाना हो तो भी उस लाइन के ऊपर से गुजरने वाली बड़ी लाइन का कई बार झटका सहना पड़ता है।

देशभर में बिजली के करंट से होने वाली किसानों की मौत को देखें तो इन मौतों के कई कारण है। जैसे खेतों से गुजर रही बिजली की लाइंस के तारों का ढीला होना। आमतौर पर यह तारे इतनी ढीली हो जाती है कि जमीन और इनका फर्क बहुत कम रह जाता है। कई बार तो यह मामूली अंधड़ में टूटकर खेतों में गिर जाती है और जब किसान रात को खेतों को पानी देने पहुंचते हैं तो उनको इनका आभास नहीं होता और वह इनकी चपेट में आकर मर जाते हैं। दूसरा खेतों से गुजर रही हाई वोल्टेज तारों की ताकत इतनी ज्यादा होती है कि वह इंसानों और सामान्य जीव जंतुओं को अपनी तरफ खींच लेती है। जिसकी वजह से इनकी मौत हो जाती है।

तीसरा कारण देखें तो आवारा पशुओं से बचने के लिए किसानों ने अपने क्षेत्रों के चारों तरफ जालियां लगाई है और उनमें यह करंट देते हैं जिसे से पशुओं को खेत की बाड़ के पास जाते ही झटका लगे ताकि आवारा पशु उनके खेतों में ना घुसे। मगर जाने-अनजाने यह करंट वाली जालीदार तारे पशुओं के साथ-साथ किसानों की मौत का कारण बन जाती है। यह झटका मशीन आमतौर पर लगाई तो नीलगाय और छोटा पशुओं से खेती को बचाने के लिए जाती है। मगर किसान खेतों में काम करते वक्त लापरवाही से इनकी चपेट में आ जाते हैं। अन्य कारणों को देखें तो किसानों की खुद की लापरवाही खेतों में पानी देते वक्त या टूबवेल चलाते वक्त तारों के संपर्क में आने से ऐसी मौतों की केस सामने आए हैं।

इंसुलेशन के टूटने, जंग लगने और आर्द्र मौसम के दौरान कंडक्टिव पथ के बनने के कारण मोटर या कंट्रोल बॉक्स की केसिंग के संपर्क में आने वाला लाइव कंडक्टर अक्सर होने वाली घटना है। ऐसी स्थिति में, मोटर पम्पसेट और नियंत्रण बॉक्स के धातु के आवरण के साथ शारीरिक संपर्क से उचित अर्थिंग प्रदान न करने पर घातक आघात होता है। कृषि जल पम्पिंग सिस्टम में अर्थिंग के लिए आवश्यक देखभाल नहीं की जा रही है। यहां तक कि अनुचित अर्थिंग परिस्थितियों में भी यदि कम ऑपरेटिंग वोल्टेज को चुना जाता है, तो बिजली के झटके पूरी तरह से समाप्त हो सकते हैं।

भारत ने वर्ष 2019 में प्रधान मंत्री की कुसुम योजना (किसान ऊर्जा सुरक्षा और उत्थान महाभियान) शुरू की है। कुसुम योजना के घटक बी के तहत, अकेले 17.5 लाख, सौर ऊर्जा संचालित कृषि पंप स्थापित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक की अधिकतम क्षमता 7.5 एचपी होगी, जहां ग्रिड आपूर्ति नहीं है। उपलब्ध। 7.5 एचपी से अधिक क्षमता के पंप भी स्थापित किए जा सकते हैं, हालांकि, वित्तीय सहायता 7.5 एचपी क्षमता तक सीमित है। बिजली के झटके से होने वाली मौतों की रोकथाम कुसुम योजना द्वारा प्राप्त अतिरिक्त लाभ है, एक छिपा हुआ तथ्य, जिसके व्यापक प्रचार की आवश्यकता है।

मामूली संशोधन के साथ, यदि इस योजना का विस्तार ग्रिड संचालित पंपों को बदलने के लिए भी किया जाता है (अब यह योजना ग्रिड संचालित पंपों को कवर नहीं कर रही है), तो यह किसानों को बिजली के झटके से होने वाली मौतों को अधिकतम सीमा तक कम करने में मदद करती है। कुसुम योजना को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ लागू किया जाना चाहिए - और जहां तक संभव हो अधिक संख्या में पानी पंपिंग सिस्टम को कवर करने के लिए विस्तारित किया जाना चाहिए। इससे हमारे किसानों को बड़ी राहत मिलने वाली है। नयी योजनाओं के साथ-साथ बिजली के ढीले तार ठीक करना, हाईवोल्टेज बिजली पोल का समाधान ढूंढना, खेत में लगाई जाली से बचना, रात को पानी चलाते समय सावधानी खेतों में किसानों को असमय मौत से बचा सकती है।

रिमझिम सी बरसात

प्रीति चौधरी
मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

भीगी-भीगी ऋतु ने जैसे
प्रेम रागिनी है गाई।
रिमझिम सी बरसात सखी री,
याद पिया की ले आई।
बूँदें करतीं हैं अठखेली
विरह अनल से जलता मन।
आकर दर्शन दे दो साजन
झुलस रहा है आतुर तन।
हरक्षण प्रिय की राह निहारूँ,
आजा बालम हरजाई।
रिमझिम सी बरसात सखी री,
याद पिया की ले आई...
मौसम ने छेड़ी मधु वीणा
छलक रही है रस प्याली।
आँचल मेरा उड़ा रही है,
पवन हुई है मतवाली।
आकर प्रिय ऐसे छा जाओ,
नभ जैसे बदली छाई।
रिमझिम सी बरसात सखी री,
याद पिया की ले आई..
सावन का मौसम है आया,
झड़ी लगी है बारिश की।
घर आजा अब ओ परदेसी,
तुम बिन कैसे लागे जी।
अंबर पर है रचा स्वयंवर
मन में बजती शहनाई।
रिमझिम सी बरसात सखी री,
याद पिया की ले आई...

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

केंदीय मंत्री रेणुका ने किया ट्रेन यात्रियों का अभिनंदन

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
अम्बिकापुर से हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस ट्रेन के प्रथम बार दिल्ली से अंबिकापुर आगमन पर केन्द्रीय जनजाति कल्याण राज्यमंत्री रेणुका सिंह ने यात्रियों का फूल मालाओं से अभिनंदन किया तथा मिठाई खिलाकर नई ट्रेन के लिए यात्रियों को शुभकामनाऐं दी। कल हजरत निजामुद्दीन रेल्वे स्टेशन पर रात्रि 11.30 बजे सीधे अंबिकापुर के लिए चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रियों के बीच जब मंत्री रेणुका सिंह उनका अभिनंदन करने पहुंची तो लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस ऐतिहासिक अवसर पर अंबिकापुर सरगुजा अंचल के ट्रेन यात्रियों ने रेणुका सिंह को बधाई दी तथा इसे सरगुजा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर बाबा अमरनाथ व वैष्णो देवी धाम का दर्शन कर लौट रहे तीर्थ यात्रियों ने उन्हे प्रसाद खिलाया तथा आशीर्वाद भी दिया। इस अवसर पर मंत्री रेणुका सिंह ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए

कहा कि दिल्ली ट्रेन चलने पर जनता के चेहरे की खुशी व उत्साह को शब्दों में बयां कर पाना मेरे लिए कठिन है। मैं तो सरगुजा की जनता का आशीर्वाद पाकर अभिभूत हूं। हजरत निजामुद्दीन से लेकर अंबिकापुर चलने वाली ट्रेन को केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने पुनः हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर डीआरएम नई दिल्ली डिंपी गर्ग, अपर मंडल रेल प्रबंधक हेमंत कुमार एनआरएमयू के अध्यक्ष अमरजीत सिंह, अनिल कुमार, दिनेश कुमार, स्टेशन डायरेक्टर इरशाद अहमद, स्टेशन डायरेक्टर के निजी सचिव सुरेश कुमार सहित अन्य रेलवे के अधिकारी मौजूद रहे।

इलाज के दौरान अस्पताल में सजा-याफ्ता बंदी की मौत

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)। केंद्रीय जेल अंबिकापुर के सजायाफ्ता बंदी की मौत इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बुधवार की आज सुबह हो गई। वह काफी दिनों से बीमार चल रहा था। उसे रायपुर से इलाज करा कर वापस लाया गया था। जानकारी के अनुसार उत्तम व्यापारी पिता मनोरंजन व्यापारी उम्र 48 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम फुंडूर डिहारी का रहने वाला था। लूट के मामले में उसे 10 अक्टूबर 2021 को केंद्रीय जेल अंबिकापुर में दाखिल कराया गया था। 4 जून 2022 को उसकी तबीयत खराब होने पर उसे इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया गया था। उसकी स्थिति खराब होने के कारण रायपुर रेफर किया गया था। 12 जून 2022 को केंद्रीय जेल से रायपुर इलाज के लिए ले जाया गया था। यहां इलाज के बाद 15 जुलाई 2022 को रायपुर से वापस लाया गया था। यहां आने के बाद उसकी तबीयत पुन- बिगड़ गई। जेल प्रशासन द्वारा उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 18 जुलाई को भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान 19 जुलाई की सुबह उसकी मौत हो गई।

खाट से गिरकर मासूम बच्ची की मौत

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)। खाट पर सोने के दौरान 5 माह की बच्ची जमीन पर गिर गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुबेला पण्डो पिता बालकरन उम्र 5 माह सूरजपुर जिले के ग्राम ओडगी थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। 15 जून को दिन में मासूम बच्ची की मां खाट पर सुलाकर खेत में काम कर रही थी। तभी मासूम बच्ची करवट बदलते हुए जमीन पर गिर गए। रोने की आवाज सुनकर मां आई और उसे गोद में उठाई। परिजन बच्ची को मामूली चोट होना समझकर उसे घर में ही इलाज कराते रहे। बच्चे की तबीयत 17 जुलाई को ज्यादा बिगड़ जाने पर परिजन इलाज के लिए और की अस्पताल जाए यहां चिकित्सकों ने बच्ची की स्थिति गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

क्षेत्रीय कार्यकर्ता हेतु 30 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)। अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी अधिनियम के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन हेतु क्षेत्रीय कार्यकर्ता की नियुक्ति की जानी है। उनकी नियुक्ति 9 माह के लिए की जाएगी।
आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्री जे.आर. नागवंशी ने बताया है कि विज्ञापित पदों के लिए 30 जुलाई 2022 शाम 5:30 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण करने के पश्चात आवेदकों को सूचित किया जाएगा जिसकी तिथि 10 अगस्त होगी। आवेदकों को साक्षात्कार 20 अगस्त को लिया जाएगा। साक्षात्कार के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। यह चयन सूची 28 अगस्त को जारी की जाएगी। उक्त पद के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत जानकारी कलेक्टोरेट कार्यालय परिसर स्थित सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही विभागीय ई-मेल पर भी देख सकते हैं।

बेटे ने मां का शव रख कर आईजी ऑफिस के बाहर किया प्रदर्शन

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
एक युवक बुधवार की सुबह अपनी मां का शव आईजी कार्यालय के बाहर रखकर विरोध जताया। परिजन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग आईजी से की है।
जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मेन्ड्राखुर्द निवासी शत्रुनारायण पिता स्व. जगमोहन ने आरोप लगाया है कि जमीन बिचौलियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था। इस दौरान उसके साथ मारपीट की गई। इलाज के बहाने करीब 4 महीने तक मंजिरा गांव में रखा गया। मृतक के बेटा शत्रुनारायण ने अपने मामा पर भी संगीन आरोप लगाते हुए बताया कि

जब भी वह अपनी मां को लेने जाता था तो उसका मामा जमीन माफियाओं को बुलाकर उस पर दबाव बनाता था। उसे आने नहीं देते थे। मृतका के बेटा शत्रुनारायण ने बताया कि मामा व जमीन बिचौलिए मेरी मां को नहीं आने देते थे। इसकी जानकारी मैंने गांधीनगर थाना व लटोरी पुलिस को दी थी। पर कोई कार्रवाई नहीं किया गया। जब पुलिस से मुझे पता चला कि मेरी मां जिला अस्पताल में भर्ती है। मैंने जिला अस्पताल में जाकर देखा तो मेरी मां बेहोश थी। उसकी स्थिति काफी गंभीर थी। मैंने उसे इलाज के लिए 14 जुलाई को रायपुर ले गया। यहां इलाज के दौरान 18 जुलाई को उसकी मौत हो गई। मृतका के बेटा शत्रुनारायण बुधवार की सुबह रायपुर से अपनी मां का शव लेकर परिजन के साथ अंबिकापुर पहुंचा और सीधे आईजी कार्यालय के बाहर मां का शव रख कर विरोध करने लगा। युवक ने पुलिस पर समय रहते कार्रवाई नहीं करने का गंभीर आरोप लगाया है। युवक ने आईजी से दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

साहू संघ की बैठक में मुनेश्वर बने अंबिकापुर ब्लॉक अध्यक्ष

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)। प्रदेश साहू संघ छग के निर्देशानुसार एवं जिला साहू संघ सरगुजा के मार्गदर्शन पर अम्बिकापुर ब्लॉक साहू संघ का चुनाव दीपारा अम्बिकापुर में स्थित निर्माणाधीन धरमशाला में रविवार को सम्मपन्न हुआ। जिसमे निम्न पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए है। जिसमें मुनेश्वर साहू ब्लॉक अध्यक्ष अम्बिकापुर, सुभाष गुप्ता ब्लॉक उपाध्यक्ष (पुरुष), सुधा गुप्ता ब्लॉक उपाध्यक्ष (महिला) को बनाया गया है। बैठक में बनारसी लाल गुप्ता, प्रयागराज साहू, केके गुप्ता, अभय साहू, बीएन माहू, ईश्वरनाथ गुप्ता, जवाहर साहू, सरोज साहू, सुभाष साहू, कन्हैया गुप्ता, पारस साहू, चंदन साहू, अरविन्द कनोजिया, राजेद्र साहू, राजकुमार साहू, रामसेवक साहू, उपेन्द्र साहू शामिल रहे।

कम बारिश धान के किसानों की बढ़ा रही है चिन्ता

-उपेश सिन्हा-
कुसमी, 20 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
कुसमी क्षेत्र में पिछले साल के मुकाबले इस साल हुई है कम बारिश, जानकारी के मुताबिक इस वर्ष कम बारिश होने से किसान धान की फसल के लिये चिंतित है जहाँ पिछले साल अबतक 549 मी.मी बारिश हुई थी वही इस बार अबतक 340.5 मी.मी वर्षा दर्ज किया गया है,पिछले साल की बारिश किसानो के फसलो के अच्छी मानी गई थी और अच्छा पैदावार भी हुआ था लेकिन इसबार बारिश कम होने से किसान मायुस है वही कृषि कार्य भी पिछड रहे है, सावन माह की भी शुरुवात हो चुकी है और इस माह में भी अच्छी बारिश का होना माना जाता है, बहरहाल देखने वाली बात होगी की आने वाले दिनो में बारिश की क्या स्थिति बनती है।

सहायक शिक्षक फेडरेशन संघ नें क्यों दी एसडीएम को एक दिवसीय सामूहिक अवकाश पर जाने की सूचना

-उपेश सिन्हा-
कुसमी,, 20 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ सहायक शिक्षक फेडरेशन प्रांतीय ईकाई के आवहन पर कुसमी ब्लाक के सहायक शिक्षक फेडरेशन के शिक्षक एक दीवसीय सामुहिक अवकाश पारे जाने की जानकारी ज्ञापन के जरिये एसडीएम कुसमी को दी, दरसल जानकारी के मुताबिक शिक्षक संघ के द्वारा समय समय पर अपनी एक सुत्रीय मांग वेतन विंसगति को लेकर आंदोलन करता रहा है और अब फिर 22 जुलाई को राजधानी रायपुर में विधानसभा घेराव कर अपनी मांगो को लेकर आंदोलन करने वाला है जिसकी जानकारी एसडीएम को ज्ञापन के जरिये सहायक शिक्षक फेडरेशन संघ के शिक्षको के द्वारा दिया गया है,ज्ञापन सौपने के कार्यक्रम में हरकेश भारती,धिरेन्द्र सिंह,अविनाश सिंह,सुनिल गुप्ता, योगेन्द्र सिंह ,अनिल कुमार गुप्ता सहित अन्य शिक्षक शामिल रहे ।

केरोसिन के थोक विक्रेताओं द्वारा नहीं किया गया अब तक उठाव

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)। जिला खाद्य अधिकारी श्री रविन्द्र सोनी ने बताया है कि जिले में केरोसिन के तीन थोक विक्रेता हैं जिन्होंने अब तक आवंटन के विरूद्ध उठाव नहीं किया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में केरोसिन के थोक विक्रेता शिव शक्ति केरोसिन, इंगोले केरोसिन व लच्छीराम अग्रवाल केरोसिन द्वारा लोगों में केरोसिन की मांग नहीं होने को कारण बताते हुए अब तक उठाव नहीं किया गया है।

ब्लड डोनेशन कैम्प में 470 लोगों ने किया रक्तदान

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में 20 जुलाई को आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में 470 लोगों ने रक्तदान कर जीवन रक्षा के पुनीत कार्य के भागी बने। इस विशाल शिविर में अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संगठन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से 470 यूनिट ब्लड बैंक को प्राप्त हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीएस सिसोदिया ने बताया कि सभी 10 शिविर में ब्लड डोनेशन के लिए पूरी तरह से तैयारी की गई थी जिसके कारण किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई। उन्होंने बातया कि ब्लड डोनेशन के लिए 10 केन्द्रों में 520 रक्त दाताओं ने पंजीयन कराया था जिसके विरूद्ध 470 लोगों के द्वारा रक्तदान किया गया। श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध जिला चिकित्सालय में 71, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा में 71, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सीतापुर में 77, पुलिस लाइन के स्वास्थ्य केन्द्र में 44, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लुण्ड्रा 41, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लखनपुर 33, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर 50, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मैनपाट 26, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दरिमा 12 एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बतौली में 40 यूनिट रक्तदान किया गया।

डोनेशन के तुरंत बाद जरूरतमंद को मिली खून

जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार लंगेह के द्वारा रक्तदान करने के कुछ घंटे बाद ही एक जरूरतमंद को ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव की आवश्यकता की पूर्ति हो गई। सूरजपुर जिले की एक गर्भवती महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती है जिसे ओ पॉजिटिव रक्त के नितान्त आवश्यकता थी जिसके लिए उसके परिजन रक्त की तलाश में जुटे थे।

पुलिस के 45 जवानों ने किया रक्त दान

पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता ने बताया कि पुलिस लाइन अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में 45 पुलिस के जवानों द्वारा रक्तदान किया गया जिसमें 37 पुरूष एवं 8 महिला शामिल हैं।

51 वीं बार किया रक्त दान

आर्ट ऑफ लिविंग के श्री अजय तिवारी के द्वारा पुलिस लाइन अस्पताल के शिविर में रक्तदान कर मानव जीवन रक्षक का मिसाल पेश किया।

1 लाख 37 हजार से अधिक लोगों का एमएमयू के द्वार मिला निःशुल्क ईलाज

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
सरगुजा जिले में एमएमयू के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर दवा वितरित किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में 20 जुलाई तक कुल 1967 कैम्प लगाकर 1 लाख 37 हजार 699 लोगों का निशुल्क ईलाज किया गया है। इनमें से कुल 92 हजार 526 लोगों को ईलाज कर दवा का वितरण, 28 हजार 975 लोगों का निःशुल्क लैब टेस्ट किया गया है तथा 10 हजार 898 लोगों का श्रम कार्ड कैम्प के माध्यम से बनाया गया है। नगर निगम के आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई ने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत जिले में कुल 5 मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा प्रतिदिन निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है। पांचों एमएमयू में प्रतिदिन औसतन 70 लोगों का स्वास्थ्य जांच सह उपचार किया जाता है। एमएमयू का संचालन चिन्हांकित स्लम एरिया में प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाता है। इसमें कुल 41 प्रकार के स्वास्थ्य जांच के लिए लैब की सुविधा उपलब्ध है जहाँ पर निःशुल्क लैब टेस्ट कर तत्काल रिपोर्ट प्रदान किया जाता है।

बंदियों को दी गई रिहाई के संबंध में जानकारी

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर की अध्यक्षता में विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के सचिव श्री जिन्दल ने केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर में विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया। शिविर में बंदियों को प्ली बारगेनिंग, नालसा गिरफ्तारी पूर्व योजना, रिमाण्ड योजना के बारे में बताया गया। इसके साथ ही भारत में 75 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटियों (यू.टी.आर.सी.) द्वारा कैदियों की रिहाई के लिए अभियान रिलिज यू.टी.आर.सी.- 75 चलाया जा रहा है जिसमें पूर्व से निधारित पैरामीटर जैसे कि धारा 436-ए जमानत होने के बाद भी जमानत पेश करने में अक्षम, शमनीय अपराधो के अभियुक्त आदि के अलावा उन बंदियों के संबंध में भी जिनको पैन्डेमिक के दौरान अंतरिम जमानत न्यायालय द्वारा प्रदान की गयी थी और उन्होंने हाई पॉवर कमेटी या न्यायालय द्वारा अधिरोपित शर्तों का पालन किया है, ऐसे विचाराधीन बंदी जो ऐसे अपराध के अभियुक्त है या ऐसे अपराध के लिए उन्हें आरोप सुनाया गया जिसमें 07 साल तक या उससे कम सजा है, ऐसे विचाराधीन बंदी जिनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक है के रिहाई के संबंध बताया गया।

बाजार में बहार, बुधवार को सेंसेक्स 550 अंक ऊपर खुला, निफ्टी 16500 के पार

नई दिल्ली, 20 जुलाई 2022। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार (20 जुलाई 2022) को ग्लोबल बाजारों से दमदार संकेत मिलने के बाद भारतीय बाजार भी मजबूती के साथ खुले हैं। बुधवार को सेंसेक्स 550 अंक ऊपर खुले वहीं निफ्टी 16500 के लेवल को पार कर गया है। उससे पहले मंगलवार के दिन अमेरिकी बाजारों में शानदार तेजी देखने को मिली। डाओ जोंस 750 अंक उछलकर बंद हुआ। नैस्डैक में भी तीन फीसदी की तेजी दर्ज की गई। मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में FIIs ने कैश में 967 करोड़ रुपए की खरीदारी की जबकि DIIS ने कल नकद में 101 करोड़ रुपए की खरीदारी की।

बुधवार के कारोबारी दिन में आईटी, मेटल, बैंकिंग और ऑटो समेत सभी सेक्टर्स में खरीदारी से बाजार में मजबूती दिख रही है। बुधवार को सेंसेक्स 718 अंक उछलकर 55,486.12 के स्तर पर खुला है, जबकि निफ्टी 222 अंकों की बढ़त के साथ 16,562.80 के स्तर पर खुला है। सेंसेक्स में सबसे ज्यादा रिलायंस के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.955 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख

मुंबई ,20 जुलाई 2022। वैश्विक बाजार में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त पड़ने से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना में 11 रुपये प्रति दस ग्राम की मामूली बढ़त रही वहीं चांदी 316 रुपये प्रति किलोग्राम गिर गई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.12 प्रतिशत की बढ़त लेकर 1710.99 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.02 प्रतिशत बढ़कर 1709.50 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस दौरान चांदी हाजिर 1.53 प्रतिशत की तेजी लेकर 18.77 डॉलर प्रति औंस बोली गई।

45% से ज्यादा लुढ़क गया है यह शेयर,एक्सपर्ट बोले-अब 100% चढ़ सकता है शेयर,कंपनी ने किया 1950% डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली, 20 जुलाई 2022। मेटल बिजनेस से जुड़ी एक लॉर्जकैप कंपनी के शेयरों में पिछले कुछ महीनों में 45 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट आई है। यह कंपनी वेदांता लिमिटेड है। वेदांता के शेयर 11 अप्रैल 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 52 हफ्ते के हाई 440.75 रुपये पर थे। 3 महीने से कुछ ज्यादा समय में वेदांता के शेयर 45 पर्सेंट से ज्यादा गिर गए हैं, 19 जुलाई 2022 को बीएसई में कंपनी के शेयर 238.60 रुपये पर बंद हुए हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि कंपनी के शेयरों में अब अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। वेदांता के शेयरों में 100 पर्सेंट तक का उछाल आ सकता है। इस बीच, वेदांता के बोर्ड ने हर शेयर पर 1950 पर्सेंट डिविडेंड देने की मंजूरी दी है।

वेदांता के शेयरों के लिए 490 रुपये का टारगेट- विदेशी ब्रोकरेज हाउस जेपी मॉर्गन ने वेदांता लिमिटेड के शेयरों को ओवरवेट रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 490 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यानी, मौजूदा शेयर प्राइस से कंपनी के शेयरों में 100 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आ सकता है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि जिंक इनवेंटरी कई दशक के निचले स्तर पर पहुंच गई है

और वेदांता लिमिटेड हायर LME जिंक प्राइसेज का फायदा उठाने की बेहतर स्थिति में है। वेदांता लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का लो-लेवल 206.10 रुपये है।

हर शेयर पर 19.50 रुपये का डिविडेंड दे रही कंपनी

वेदांता लिमिटेड ने एक्सचेंज को बताया है कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 19 जुलाई 2022 को हुई मीटिंग में फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के लिए दूसरे अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दे दी है। कंपनी हर शेयर पर 1950 पर्सेंट (प्रत्येक शेयर पर 19.50 रुपये) का अंतरिम डिविडेंड देने जा रही है। कंपनी ने अंतरिम डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट 27 जुलाई 2022 फिक्स की है। मेटल सेगमेंट से जुड़ी कंपनी ने इससे पहले चालू वित्त वर्ष में अपना पहला अंतरिम डिविडेंड 3150 पर्सेंट (हर शेयर पर 31.50 रुपये) का दिया है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने तोड़े सारे अनुमान, जून तिमाही में हुआ इतना मुनाफा

नई दिल्ली, 20 जुलाई 2022। तेल, साबुन और शैंपू जैसे दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली एफएमसीजी हिंदुस्तान यूनिलीवर ने जून तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जून 2022 को समाप्त तिमाही में कंपनी को स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ 2,289 करोड़ रुपये हुआ, जो विश्लेषकों के अनुमानों के मुकाबले 11% अधिक है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तिमाही में कंपनी की कुल आय 20.36 प्रतिशत बढ़कर 14,757 करोड़ रुपये रही। एक साल पहले अप्रैल-जून तिमाही में यह 12,260 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कुल खर्च जून 2022 को समाप्त तिमाही में 20.79 प्रतिशत बढ़कर 11,531 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 9,546 करोड़ रुपये था।

कंपनी के सीईओ और प्रबंध निदेशक संजीव मेहता ने कहा, ''उच्च मुद्रास्फीति और उसका खपत पर प्रभाव के साथ चुनौतीपूर्ण परिवेश में जून तिमाही के दौरान आय और लाभ के मामले में हमारा प्रदर्शन बेहतर रहा है। हालांकि मुद्रास्फीति को लेकर चिंता है लेकिन हाल में जिंसों के दाम में नरमी, मानसून के सामान्य रहने की भविष्यवाणी और सरकार की तरफ से किये गये मौद्रिक/राजकोषीय उपाय उद्योग के लिये बेहतर हैं।'' सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को एनएसई पर एचयूएल का शेयर 0.57% बढ़कर 2,568.00 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ।

टमाटर के भाव एक महीने में 29 फीसदी तक घटे, अब प्याज को सस्ता रखने के लिए सरकार उठा रही यह कदम

नई दिल्ली , 20 जुलाई 2022। टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य पिछले महीने की तुलना में 29 फीसदी तक कम हो गया है। सरकार के अनुसार टमाटर का औसत मूल्य बाजार में इसकी आवक सुधरने के कारण घटा है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को कहा गया है कि मानसून की बारिश के कारण मंडियों में टमाटर की आवक बढ़ी है। इससे कीमतों में राहत मिली है। मंत्रालय ने अपने बयान में यह भी कहा है कि बाजार में प्याज की खुदरा कीमतें भी पिछले साल के मुकाबले नौ फीसदी तक कम हुई हैं। ज्ञात हो कि प्याज और टमाटर भारतीय किचन में इस्तेमाल होने वाली दो अहम सब्जियां हैं।

एक महीने में 52 रुपये प्रति किग्रा से 37 रुपये प्रति किग्रा तक पहुंचे टमाटर के भाव- मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य मंगलवार (19 जुलाई को) को 37.35 रुपये प्रति किलोग्राम पर चल रहा था, जबकि एक महीने पहले यह 52.5 रुपये प्रति किलोग्राम था। वहीं, सरकार के आंकड़ों के मुताबिक प्याज का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य मंगलवार को 25.78 रुपये प्रति किलोग्राम था।

केंद्र ने 19 दिन में ही फैसला बदला, पेट्रोल पर विंडफॉल टैक्स खत्म, एटीएफ-डीजल पर कर में कटौती

नई दिल्ली, 20 जुलाई 2022। केंद्र सरकार ने ग्लोबल बाजारों में क्रूड ऑयल की कीमतों में आई नरमी को देखते हुए देश से पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यात पर लगाने वाली विंडफॉल टैक्स में कटौती कर दी है। माना जा रहा है कि सरकार के इस कदम से रिलायंस इंडिया लिमिटेड और ओएनजीसी जैसी कंपनियों को बड़ा फायदा मिलेगा। आपको बता दें कि करीब तीन हफ्ते पहले सरकार ने देश में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित रखने के लिए इस विंडफॉल टैक्स में इजाफा कर दिया था। अब ग्लोबल बाजार में कच्चे तेल के भावों में कमी आने के बाद सरकार ने अपना पुराना फैसला वापस ले लिया है।

आपको बता दें कि सरकार ने तीन हफ्ते पहले पेट्रोल और एटीएफ (विमान का ईंधन) के निर्यात पर छह रुपये प्रति लीटर का विंडफॉल टैक्स लगा दिया था। उस दौरान डीजल के निर्यात पर भी 13 रुपये

प्रति लीटर का शुल्क लगाया गया था। इसके अलावे सरकार ने एक अलग नोटफिकेशन जारी कर क्रूड ऑयल पर भी 23,230 रुपये प्रति टन का अतिरिक्त कर लगाने की जानकारी दी थी।

पेट्रोल पर विंडफॉल टैक्स पूरी तरह हटाया गया

अब सरकार ने एक ताजा नोटिफिकेशन जारी कर एटीएफ (विमान का ईंधन) पर विंडफॉल टैक्स घटाकर छह रुपये प्रति लीटर से चार रुपये प्रति लीटर कर दिया है। वहीं, पेट्रोल पर लगने वाले छह रुपये प्रति लीटर के विंडफॉल टैक्स को पूरी तरह से हटा दिया गया है। डीजल के निर्यात पर लगने वाले टैक्स को भी घटाकर 13 रुपये प्रति लीटर से 11 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं, क्रूड ऑयल पर लगने वाले अतिरिक्त कर को घटाकर 23250 रुपये प्रति टन से घटाकर 17000 रुपये प्रति टन कर दिया है।

रिलायंस और ओएनसीजी के शेयर चमके

सरकार के पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यात पर लगाने वाले विंडफॉल टैक्स को घटाने के फैसले से रिलायंस और ओएनजीसी जैसी कंपनियों के शेयरों तेजी देखने को मिली है। बुधवार को स्टॉक मार्केट में रिलायंस कंपनी के शेयर करीब ढाई फीसदी की उछाल के साथ 2535 रुपये प्रति शेयर पर खुले, जबकि ओएनजीसी के शेयरों में भी सात फीसदी तक की तेजी देखने को मिली है। बुधवार को शेयर बाजार में ओएनजीसी के शेयर 134.70 रुपये पर खुले।

रसोई का काम करते समय महिलाओं के शरीर के इन अंगों में होता है दर्द,तो करें ये योगाभ्यास

अक्सर गृहणी को कई तरह की शारीरिक समस्याएं होती हैं। घर परिवार संभालने और रसोई के कामकाज के कारण उनके शरीर के कुछ अंगों में दर्द बना रहता है। यह दर्द अचानक से बढ़ जाता है या काम के दौरान परेशानी बन जाता है। आटा गूंथते समय कलाई और उंगलियों में दर्द होने लगता है, तो वहीं कपड़े धोते समय या फिर घर की सफाई के दौरान कमर में दर्द बढ़ जाता है। जो महिलाएं डिश वाशिंग करती हैं, या किचन में ज्यादा समय तक खड़े होकर काम करती हैं, उनकी पीठ व रीढ़ में भी दर्द रहता है। भारतीय महिलाएं अधिकतर घरेलू कामकाज के दौरान होने वाले इस दर्द को नजरअंदाज करती रहती हैं। हालांकि महिलाएं आराम से कुछ योगासन या व्यायाम करके कलाई, हाथ, पैर और पीठ व कमर के दर्द से राहत पा सकती हैं। चलिए जानते हैं गृहणियों के लिए फायदेमंद योगासनों के बारे में।

कूल्हों और जांघों के दर्द के लिए योगासन

मलासन- जिन महिलाओं के पैरों और जांघों में दर्द रहता है, उन्हें मलासन करना चाहिए। मलासन के अभ्यास से पैर, कूल्हों और जांघों की हड्डियां मजबूत होती हैं। इस आसन को करने के लिए मैट पर सीधे खड़े हो जाएं। घुटनों को मोड़कर हाथों को नमस्ते का पोज बनाकर बैठ जाएं। इस पोज में

घुटनों के बीच दूरी बनाकर रखें।

कमर और पीठ दर्द के लिए योगासन

भुजंगासन- दिनभर खड़े खड़े काम करने से अक्सर महिलाओं की कमर और पीठ में दर्द होने लगता है। ऐसे में उन्हें नियमित भुजंगासन योग का अभ्यास करना चाहिए। ये आसन कमर दर्द से राहत दिलाता है। भुजंगासन करने के लिए जमीन पर पेट के बल लेट लाएं। अब पैरों को आपस में मिलाकर हथेलियों को सीने के पास कंधों की सीध पर रखें। माथे को जमीन पर रखें और गहरी सांस लेते हुए शरीर के आगे के हिस्से को ऊपर की तरफ उठाएं। फिर दोनों हाथों को सीधा खड़ा करके करीब 15-20 सेकेंड के लिए इसी अवस्था में रहें। बाद में सांस छोड़ते हुए वापस सामान्य मुद्रा में लौट आएं।

कलाई और हाथों के लिए योगासन

वशिष्ठासन - हाथ और कलाइयों की मजबूती के लिए वशिष्ठासन योग का नियमित अभ्यास करना चाहिए। इस आसन से हाथों पर जोर पड़ता है जिससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आसन को करने के लिए एक हाथ पर अपने पूरे शरीर का भार रखते हुए दूसरे हाथ को आसमान में हवा में उठाएं।

गर्दन और कंधों के दर्द के लिए योगासन

मकरासन- अगर कंधों और गर्दन में अक्सर दर्द रहता हो तो मकरासन योग का अभ्यास करें। इससे रीढ़ सामान्य स्थिति में आती है और गर्दन-कंधों में दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। कंधे और गर्दन की मांसपेशियों की अकड़न को कम करने के लिए मकरासन का अभ्यास करने के लिए पेट के बल लेट कर दोनों कोहनियों को जमीन पर टिकाएं। सिर और कंधों को ऊपर उठाते हुए हथेलियों पर स्टैंड बनाकर ठुड्डी रख लें। गहरी सांस लें और कोहनियों को हल्का फैला लें। अब दोनों पैरों को नीचे से ऊपर लेकर जाएं। ये चक्र दोहराएं।

पैरों में महसूस होती है जलन? इन गंभीर समस्याओं का हो सकता है संकेत,इसे हल्के में लेने की न करें गलती

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर में महसूस होने वाली किसी भी तरह की समस्या को अनदेखा करने की गलती नहीं करनी चाहिए, कुछ सामान्य सी दिखने वाली समस्याओं के गंभीर कारण हो सकते हैं। समय रहते अगर इनपर ध्यान न दिया जाए तो इसके कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। पैरों, विशेषकर तलवे में होने वाली जलन की समस्या को ज्यादातर लोग सामान्य मानकर अनदेखा कर देते हैं पर वास्तव में कुछ स्थितियों में यह गंभीर बीमारी के कारण होने वाली दिक्कत भी हो सकती है, जिसपर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इसके गंभीर रूप लेने का खतरा हो सकता है।

पैरों में जलन होने के कई कारण हो सकते हैं, इसका सबसे आम कारण तंत्रिकाओं में होने वाली क्षति को माना जाता है। अक्सर मधुमेह रोग के शिकार लोगों में तंत्रिकाओं की समस्या के कारण पैरों में जलन हो सकती है। इसके अलावा कुछ स्थितियों में विटामिन्स और पोषक तत्वों की कमी के कारण भी पैरों में जलन हो सकती है।

यही कारण है कि इसके वास्तविक कारणों का समय रहते निदान होना आवश्यक माना जाता है, जिससे किसी अन्य गंभीर दिक्कत से बचाव किया जा सके। आइए जानते

हैं कि पैरों में होने वाले जलन के पीछे कौन सी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं?

डायबिटिक न्यूरोपैथी की समस्या

डायबिटिज की समस्या के शिकार लोगों में पैरों के जलन की समस्या होना काफी आम माना जाता है। वर्षों से अनियंत्रित हाई ब्लड शुगर धीरे-धीरे आपकी रक्त वाहिकाओं और तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगती है। उच्च रक्त शर्करा के कारण तंत्रिकाओं से संकेतों का संचरण भी कम हो जाता है। हाई ब्लड शुगर रक्त वाहिकाओं की दीवारों को भी कमजोर कर देती है जिसके कारण पैरों में जलन और इससे संबंधित अन्य कई तरह की दिक्कतों का जोखिम हो सकता है।

विटामिन्स और पोषक तत्वों की कमी

शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण भी पैरों में जलन की समस्या देखी जाती रही है। विटामिन बी 12, विटामिन बी-6 या विटामिन बी-9 (फोलेट) की कमी को इस तरह की समस्या के प्रमुख कारण के तौर पर जाना जाता है। विटामिन-बी की कमी से पैरों में जलन और मांसपेशियों के समन्वय की समस्या आ जाती है। समय रहते इस तरह की दिक्कतों का पता चलना बहुत आवश्यक माना जाता है।

थायरॉइड विकारों के कारण होने वाली दिक्कत

अंडरएक्टिव थायरॉइड के कारण भी आपके शरीर में हार्मोन का संतुलन प्रभावित हो जाता है, इससे सूजन हो सकती है जो आपकी नसों पर दबाव डालती है। पैरों में जलन के अलावा, हाइपोथायरायडिज्म के कारण थकान, वजन बढ़ना और त्वचा में शुष्की होना शामिल हैं। थायरॉइड विकारों का समय रहते निदान और इलाज किया जाना आवश्यक माना जाता है क्योंकि यह शरीर में कई प्रकार की अन्य दिक्कतों का भी कारण बन सकती है।

संक्रमण के कारण होने वाली समस्या

पैरों में जलन की समस्या शरीर में कुछ प्रकार के संक्रमण के कारण भी हो सकती है। लाइम डिजीज, एचआईवी और सिफिल्स जैसी समस्या के कारण भी कुछ लोगों को तलवे में जलन का अनुभव हो सकता है। अगर आपको लगता है कि आपको संक्रमण है और इसके कारण पैरों में जलन हो रही है, तो अपने डॉक्टर से जरूर मिलें। संक्रमण का समय रहते इलाज न हो पाने के कारण इससे शरीर के अन्य अंगों को दिक्कत होने का खतरा हो सकता है।

मानसून में इस तरह सजाएं अपनी बालकनी,लगेगी खूबसूरत

बारिश का लुत्फ उठाने के लिए बालकनी एक आदर्श स्थान है, इसलिए इसे मानसून के लिए सजाना तो बनता है। आप चाहें तो कुछ तरीकों को फॉलो कर अपनी बालकनी को मानसून के हिसाब से न सिर्फ आरामदायक बना सकते हैं, बल्कि इसे बारिश के नुकसानों से बचाकर खूबसूरत भी बनाए रख सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच आसान टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी बालकनी को मानसून के लिहाज से सजा सकते हैं।

हरियाली के बिना बालकनी की खूबसूरती है फीकी

हरियाली के बिना तो बालकनी की सजावट हो ही नहीं सकती। इसके लिए आप इसमें छोटे-छोटे रंग-बिरंगे प्लास्टिक या मिट्टी के गमले रखकर उसमें फूलों के पौधे या मनी प्लांट जैसे कई तरह के पौधे लगा सकते हैं क्योंकि मनी प्लांट की बेल दीवार पर चढ़ी हुई अच्छी लगती है। वहीं, फूल वाले पौधे बालकनी की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। पौधों से बालकनी में हरियाली छाई रहेगी और हर मौसम में आपको ताजगी का अहसास मिलता रहेगा।

ट्रांसपेरेंट ब्लाइंड्स से अपनी बालकनी को सुरक्षित रखें

अपनी बालकनी में ट्रांसपेरेंट ब्लाइंड्स लगाने से आप यहां के फर्नीचर को बारिश के पानी से गीला होने से बचा सकते हैं। आजकल मार्केट में कई तरह के अच्छी फिनिश वाले क्वॉलिटी ब्लाइंड उपलब्ध हैं, जो न केवल बारिश को बालकनी में आने से रोकेंगे बल्कि कुछ हद तक तेज धूप से भी बचाएंगे। वहीं, जब आप चाहें तो इन्हें आसानी से रोल अप करके बंद कर सकते हैं।

बालकनी में जरूर रखें ये चीजें

सुहानी शाम हो या दिलकश बरसात का मौसम, बालकनी में बैठकर चाय की चुस्कियां लेने का मजा ही कुछ और होता है। अगर आप अपनी बालकनी में सुकून के दो पल बिताना चाहते हैं तो यहां जूट या फिर केन का फर्नीचर रखें और उनको रंग-बिरंगी गद्दियों से सजा दें। इसी के साथ अगर सुंदर क्रॉकरी का भी इस्तेमाल किया जाए तो आपकी बालकनी बेहद खूबसूरत लगेगी।

लाइट्स की व्यवस्था करना न भूलें

बालकनी की खूबसूरती को निखारने में लाइट्स अहम भूमिका अदा कर सकती हैं, इसलिए इसका इस्तेमाल भी जरूर करें। अगर आप अपनी बालकनी की किसी दीवार को हाइलाइट करना चाहते हैं तो स्पॉटलाइट या ट्रैक लाइट का उपयोग करें। वहीं, अगर आप सॉफ्ट मूड लाइटिंग चाहते हैं तो सीलिंग लाइट्स या वॉल लाइट्स का इस्तेमाल करें और किसी भी असुविधा से बचने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले तारों में निवेश करें।

ये चीजें बनाएंगी आपकी बालकनी को अधिक आकर्षिक

अगर आपकी बालकनी बड़ी है तो उसमें आप एक झूला भी लगा सकते हैं। आजकल बाजार और ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर स्विंग चेयर्स उपलब्ध हैं, जिनसे आप अपनी बालकनी को काफी आकर्षक लुक दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपनी बालकनी में फाउंटेन लगा सकते हैं। हम जानते हैं कि बालकनी में सचमुच का फाउंटेन नहीं लगाया जा सकता है। लेकिन आप इलेक्ट्रॉनिक फाउंटेन तो लगा ही सकते हैं।

CMYK

मक्का मस्जिद के इमाम की शान-ओ-शौकत पर बवाल,पेंट व टी-शर्ट में चला रहे थे हार्ले बाइक

सऊदी अरब, 20 जुलाई 2022। सऊदी अरब की ऐतिहासिक मक्का मस्जिद के एक पूर्व इमाम की शानौ-शौकत उन्हें भारी पड़ सकती है। इमाम शेख अदेल अल-कल्बानी का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इसमें वे नए जमाने के पैंट टी शर्ट पहने और लाखों रुपये कीमत की हार्ले डेविडसन बाइक चलाते नजर आ रहे हैं। इस पर बवाल मच गया है।

वीडियो में इमाम कल्बानी हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर बैठे हैं। इससे उनका नया रूप सामने आया है। उनके इस रूप के खिलाफ अरब जगत में तीखी प्रतिक्रियाएं हो रही हैं। इसे एक शख्स ने स्नैपचैट पर रिकॉर्ड किया था। इसमें कल्बानी सफेद टी-शर्ट और हाफ जैकेट पहनकर हार्ले डेविडसन बाइक पर बैठे हैं। उनकी जैकेट पर अमेरिकी झंडा भी चित्रित है। वीडियो में पूर्व इमाम मोटरसाइकिल पर बैठकर मुस्कुरा रहे हैं और जीत का निशान दिखा रहे हैं।

सोशल मीडिया में ट्रेंड करने लगे इमाम

यह वीडियो सोमवार को वायरल हुआ था। इसके बाद मक्का मस्जिद के पूर्व इमाम ट्विटर पर ट्रेंड कर रहे हैं। उनके इस रूप को लेकर कुछ लोग आपत्ति जता रहे हैं तो कुछ उनका समर्थन कर रहे हैं।

यूजर्स इस तरह कर रहे कमेंट

एक ट्विटर यूजर ने लिखा, %मेरे विचार में शेख ने ऐसा कुछ नहीं किया, जिसे करने की मनाही है। वह जो करना चाहते हैं, वह करने के लिए स्वतंत्र हैं। हम दरअसल इमामों को एक खास तरह के परिधान में देखने के आदी हैं। हम इससे हटकर उन्हें किसी अन्य रूप में देखना स्वीकार नहीं कर सकते। यह गलत है।

एक अन्य व्यक्ति ने लिखा, %क्या महान शख्स हैं।% पारंपरिक कपड़े नहीं पहनने को लेकर इमाम की आलोचना के बीच एक शख्स ने कहा, %बाइक चलाने पर पाबंदी नहीं है, मॉर्डन कपड़े पहनने में गलत क्या है? यह उनकी मर्जी है और इसके लिए उन्हें कोई भी जिम्मेदार नहीं ठहरा सकता। हर चीज में टांग क्यों अड़ाते हैं?

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के एक होटल में अमेरिकी युवती से सामूहिक दुष्कर्म

लाहौर, 20 जुलाई 2022। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दो लोगों ने 21 वर्षीय अमेरिकी युवती के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

17 जुलाई को फोर्ट मुनरो के एक होटल में हुई घटना

घटना 17 जुलाई को डीजी खान जिले के हिल स्टेशन %फोर्ट मुनरो% के एक होटल में हुई थी। यह लाहौर से करीब 500 किलोमीटर दूर है। पीड़िता एक व्लॉगर/टिकटॉकर है और एक फेसबुक पेज चलाती है। पीड़िता अपने सोशल मीडिया दोस्तों मुजमिल सिप्रा और अजान खोसा के साथ एक व्लॉग बनाने के लिए उस जगह का दौरा करने पहुंची थी।

डीजी खान जिले के उपायुक्त अनवर बरयार ने बताया कि अमेरिकी लड़की अपने सोशल मीडिया दोस्त मुजमल सिप्रा के निमंत्रण पर कराची से फोर्ट मुनरो आई थी, और वह रविवार को पंजाब के राजनपुर जिले में उसके घर पर भी गई थी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पाकिस्तान में टूरिस्ट वीजा पर आई युवती पिछले सात महीने से देश में रह रही थी।

श्रीलंका में भारतीयों को किया आगाह,संकटग्रस्त देश को अब तक चार अरब डॉलर की मदद

कोलंबो, 20 जुलाई 2022। भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की भारत लगातार मदद कर रहा है। %सबका साथ, सबका विकास% नीति के तहत भारत अब तक उसे 4 अरब डॉलर की आवश्यक वस्तुएं व विदेशी मुद्रा सहायता पहुंचा रहा है। इस बीच, कोलंबो स्थित भारतीय दूतावास ने श्रीलंका में रह रहे सभी भारतीयों को आगाह किया है।

भारतीय उच्चायोग ने आज श्रीलंका में रह रहे सभी भारतीयों से कहा कि वे देश के ताजा हालात के प्रति सतर्क रहें और उसके अनुसार ही अपनी आवाजाही व गतिविधियां संचालित करें। जरूरत पड़ने पर व उच्चायोग से संपर्क कर सकते हैं। कोलंबो में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले ने एक न्यूज चैनल से चर्चा में कहा कि भारत श्रीलंका को आवश्यक वस्तुओं और विदेशी मुद्रा की लगातार मदद कर रहा है। भारत अब तक संकटग्रस्त पड़ोसी देश की मदद के बतौर 4 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। श्रीलंका हमारी पड़ोस नीति के केंद्र में है।

बागले ने कहा कि भारत ने श्रीलंका की दो तरह से मदद की। पहला आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और दूसरी विदेशी मुद्रा भंडार के लिए मदद। भारत ने अब तक श्रीलंका को 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की है। इसमें से 50 करोड़ डॉलर ईंधन के लिए खासतौर से मदद की गई। इसके अलावा 40 करोड़ डॉलर की विदेशी मुद्रा सहायता और एशियाई क्लियरिंग यूनियन में करीब 2 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा सेटलमेंट को स्थगित किया गया।

मुद्राकोष से कर रहा पैकेज की बात

बागले ने कहा कि श्रीलंका सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से मदद की गुहार लगा रहा है। उसकी एक आर्थिक पैकेज के लिए सतत वार्ता जारी है, ताकि आर्थिक पुनर्वास हो सके। उन्होंने कहा कि भारत पड़ोसी देश की सतत मदद करता रहेगा और वहां आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रहे, इसके इंतजाम में जुटा है।

आज हो रहा राष्ट्रपति का चुनाव

आज श्रीलंका में नए राष्ट्रपति का चुनाव भी होने जा रहा है। वर्तमान में प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं। श्रीलंका कुछ माहों से ऐतिहासिक आर्थिक संकट झेल रहा है। पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के खिलाफ भड़के आक्रोश के बाद वे देश छोड़कर जा चुके हैं।

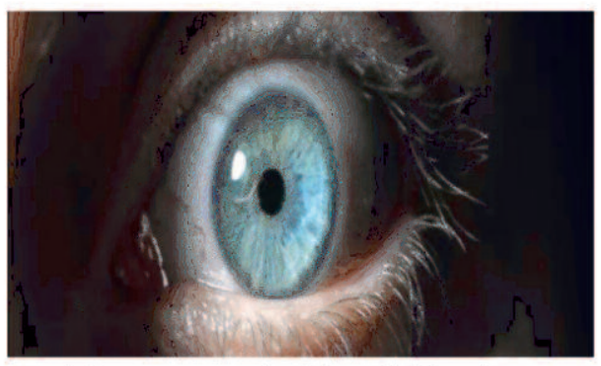

रेटिना,आंख के पिछले हिस्से व कॉर्निया की थ्रीडी फोटो लेकर आंखों की बीमारी बताएगा नया उपकरण

लंदन, 20 जुलाई 2022। आंखों की बीमारियों की समय रहते पहचान के लिए यूके के शोधकर्ताओं ने ऐसा उपकरण तैयार किया है, जो थ्रीडी फोटो के जरिये बीमारी की पहचान करने में सक्षम है। शोधकर्ताओं का दावा है कि कम लागत वाला यह उपकरण आंखों की थ्रीडी फोटो ले सकता है। स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग में डॉ. मारियो जिआर्डिया, डॉ. इयान कोघिल और क्रिस्टी जॉर्डन ने मिलकर उपकरण को विकसित किया है।

आंखों के कैंसर का भी पता लगने की उम्मीद

शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह उपकरण रेटिना, आंख के पिछले हिस्से और कॉर्निया की थ्रीडी फोटो लेता है। इसे कम कीमत पर एक स्लिट लैंप में जोड़ा जा सकता है। इनके अनुसार, मौजूदा दौर में भी ऐसी कई मशीन हैं, जिन्हें ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी तकनीक सहित थ्री-डी इमेजिंग में इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इनकी कीमत महंगी है। वहीं इस नई तकनीक का इस्तेमाल उन मरीजों पर किया जा सकता है, जिन्हें कॉर्निया प्रत्यारोपण करवाना है। शोधकर्ताओं को यह भी उम्मीद जताई है कि इससे आंखों के कैंसर का पता भी लगाया जा सकता है।

समलैंगिक विवाह को संघीय सुरक्षा देने के लिए अमेरिका में बिल पास, 157 सांसदों ने किया समर्थन

वाशिंगटन, 20 जुलाई 2022। अमेरिका में समलैंगिक विवाह को लेकर फिर से चर्चा जोरों पर है। इस बीच यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव ने समलैंगिक विवाह को संघीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक विधेयक पारित किया है। मंगलवार को यह विधेयक 267 में 157 वोटों से पारित हुआ। यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में विधेयक को रिपब्लिकन पार्टी के 47 सांसदों ने भी अपना समर्थन दिया।

बिल को सीनेट में मिल सकती है चुनौती

अब इस बिल को सीनेट में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव से पास होने के बाद यह बिल सीनेट में रखा जाएगा। जहां इसे रिपब्लिकन पार्टी के 10 वोटों की जरूरत होगी। वहीं 100 सदस्यों वाले सीनेट में डेमोक्रेट्स पार्टी के 50 सदस्य हैं। दरअसल, हाउस डेमोक्रेट्स की ओर से एलजीबीटीक्यू अधिकारों की रक्षा के लिए रिस्पेक्ट फॉर मैरिज एक्ट पेश किया गया है।

दूसरे राज्यों में विवाह को मान्यता देने पर मजबूर करेगा एक्ट

रेस्पेक्ट फॉर मैरिज एक्ट अमेरिकी राज्यों को दूसरे राज्य में किए गए वैध विवाह को मान्यता देने के लिए मजबूर करेगा। इसके अलावा यह एक्ट समान-लिंग बल्कि अंतरजातीय विवाहों को भी सुरक्षा प्रदान करेगा। यह विधेयक 1996 के विवाह अधिनियम के रक्षा अधिनियम को निरस्त करता है, जिसमें विवाह को एक पुरुष और एक महिला के बीच के मिलन के रूप में परिभाषित किया गया था।

भारतीय सेना प्रमुख मनोज पांडे ने शेख हसीना से की मुलाकात

ढाका ,20 जुलाई 2022। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से ढाका में उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। उन्होंने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने डिफेंस सर्विस कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, मीरपुर का दौरा किया और सशस्त्र सेना युद्ध पाठ्यक्रम के छात्र अधिकारियों और फैक्लटी के लिए सुरक्षा परिप्रेक्ष्य पर एक व्याख्यान दिया। इससे पहले, उन्होंने रक्षा सेवा कमान और स्टाफ कॉलेज, मीरपुर में सशस्त्र सेना युद्ध पाठ्यक्रम के छात्रों और अधिकारियों के लिए भारत के सुरक्षा परिप्रेक्ष्य पर व्याख्यान दिया। सेना प्रमुख ने बांग्लादेश इंस्टिट्यूट ऑफ पीस सपोर्ट एंड ऑपरेशन ट्रेनिंग के सदस्यों से भी मुलाकात की और उनके साथ बातचीत की, जो संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के लिए बांग्लादेश के शांति सैनिकों को प्रशिक्षण देने वाला एक प्रमुख संस्थान है।

बिल गेट्स ने भारत में 200 करोड़ टीके लगने की उपलब्धि को सराहा,पीएम मोदी को यूं दी बधाई

वाशिंगटन, 20 जुलाई 2022। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने भारत में 200 करोड़ कोविड-19 टीकाकरण की उपलब्धि पर पीएम नरेंद्र मोदी को बधाई दी। बता दें कि भारत अपने देश की आबादी को दो अरब से ज्यादा डोज देने वाला दूसरा देश बन गया है। अब तक भारत से ज्यादा कोरोना वैक्सीन के डोज सिर्फ चीन में ही लगाए गए हैं।

भारत में 12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च, 2022 को प्रारंभ हुआ था। अब तक 3.80 करोड़ (3,80,72,341) से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई है। समान रुप से 18-59 आयु वर्ग के लिये प्रीकॉशन खुराक भी 10 अप्रैल, 2022 को प्रारंभ की गई थी।

कोरोना वैक्सीनेशन में दूसरा देश बना भारत

अब तक भारत से ज्यादा कोरोना वैक्सीन के डोज सिर्फ चीन में ही लगाए गए हैं। जहां अब तक तीन अरब से ज्यादा डोज दिए जा चुके हैं। चीन में अब 3.4 अरब से ज्यादा डोज दिए जा चुके हैं। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने ट्वीट कर कहा, 17 जुलाई, 2022..यह दिन हमेशा याद रहेगा। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत ने अब तक 2 अरब कोरोना खुराक लोगों के लगाई हैं। मैं इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य कर्मियों और नागरिकों को बधाई देता हूं।

पीएम मोदी कहा- भारत ने फिर इतिहास रचा

पीए मोदी ने ट्वीट किया कि भारत ने फिर इतिहास रचा। वैक्सीन की 200 करोड़ खुराक का विशेष आंकड़ा पार करने पर सभी भारतीयों को बधाई। उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने भारत के टीकाकरण अभियान को अद्वितीय बनाने में योगदान दिया। इसने कोरोना के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, वैक्सीन के पूरे रोलआउट के दौरान, भारत के लोगों ने विज्ञान में उल्लेखनीय विश्वास दिखाया है। हमारे डॉक्टरों, नर्सों, फंटलाइन वर्कर्स, वैज्ञानिकों, इनोवेटर्स और उद्यमियों ने एक सुरक्षित ग्रह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं उनकी भावना और दृढ़ संकल्प की सराहना करता हूं।

चीन ने किया नेपाल की जमीन पर कब्जा,नागरिक संगठन का आरोप- दोस्ती की आड़ में हड़प रहा भूमि

काठमांडू , 20 जुलाई 2022। चीन न केवल भारत के लद्दाख व भूटान दोकलाम व अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में जमीनें हथियाने में जुटा हुआ है, बल्कि वह नेपाल सीमा से लगे क्षेत्रों में भी अतिक्रमण कर रहा है। नेपाल सीमा पर उसके द्वारा बड़े पैमाने पर अतिक्रमण की खबर है। नेपाल के एक नागरिक संगठन ने देश के भू प्रबंधन मंत्री शशि श्रेष्ठ को ज्ञापन सौंपकर चीन पर जमीन हड़पने का इल्जाम लगाया है।

नेपाल के %राष्ट्रीय एकता अभियान% के प्रमुख बिनय यादव ने मंगलवार को काठमांडू में मंत्री शशि श्रेष्ठ को यह ज्ञापन सौंपा। इसमें दावा किया गया है कि चीन ने नेपाल की जमीन हड़प ली है। ज्ञापन में कहा गया है कि चीन ने गोरखा में चुमानुबरी ग्रामीण नगर पालिका-1 की रुइला सीमा पर बाड़ लगाकर कब्जा कर लिया है।

नेपाल की संप्रभुता को चुनौती

ज्ञापन में बिनय यादव ने कहा कि रूइला समेत नेपाल-चीन सीमा के विभिन्न इलाकों में अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन न केवल दोनों देशों की दोस्ती का अपमान है, बल्कि नेपाल की संप्रभुता को भी सीधी चुनौती है। यादव ने यह भी कहा कि नेपाल की क्षेत्रीय अखंडता पर बार बार हमलों की निंदा के बाद भी चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान सरकार के सत्ता में आने पर नेपाल-चीन सीमा पर अतिक्रमण के खिलाफ उठाए गए कड़े कदमों की सराहना की। यादव ने कहा कि सरकार द्वारा किए गए कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद सीमा पर अतिक्रमण जारी है। हम चीन के इस रवैये के खिलाफ निर्णायक और सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। एकता अभियान इसके लिए सरकार को पूरा समर्थन देगा।

जून में उत्तरी गोरखा में किया था कब्जा, प्रशासन बेखबर

चीन ने इससे पहले जून में उत्तरी गोरखा में नो-मैन्स-लैंड के समीप बाड़ लगाकर नेपाली भूमि पर अतिक्रमण किया था। नेपाल के मीडिया में इस बारे में रिपोर्ट आई थी। अब कहा जा रहा है रुइला सीमा पर चीन के अवैध कब्जे के बारे में न तो नेपाल के विदेश मंत्रालय को और न ही गोरखा के जिला प्रशासन को जानकारी है।

रानिल विक्रमसिंघे बने श्रीलंका के नए राष्ट्रपति,लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर जताई नाराजगी

कोलंबो, 20 जुलाई 2022। श्रीलंका में आज हुए राष्ट्रपति चुनाव में कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे नए राष्ट्रपति चुन लिए गए। उन्होंने त्रिकोणीय मुकाबले में जीत हासिल की। सांसदों ने मंगलवार को उम्मीदवारों के रूप में कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे समेत तीन नामों का प्रस्ताव किया था।

नए राष्ट्रपति चुने गए विक्रमसिंघे नवंबर 2024 तक पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे के शेष कार्यकाल के लिए पद पर रहेंगे। राष्ट्रपति पद के लिए जिन तीन नामों का प्रस्ताव किया गया था उनमें रानिल विक्रमसिंघे (73), दुल्लास अल्हाप्पेरुमा(63) और अनुरा कुमारा दिसानायके (53) शामिल थे। अल्हाप्पेरुमा कट्टर सिंहली बौद्ध राष्ट्रवादी और सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) पार्टी के सदस्य हैं। उन्हें मुख्य विपक्षी नेता एस. प्रेमदासा ने समर्थन देकर अपना नाम वापस लिया है। वहीं, दिसानायके वामपंथी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के प्रमुख सदस्य हैं।

इससे पूर्व विक्रम सिंघे व विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा समेत अनेक नेताओं ने संसद पहुंचकर मतदान किया। प्रेमदासा ने ट्वीट कर कहा था कि हम भ्रष्टाचार विरोधी, सभी के लिए समृद्धि, विश्वसनीय और पारदर्शी सरकार का समर्थन करेंगे।% प्रेमदासा ने कल राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी।

राष्ट्रपति सचिवालय के बाहर फिर प्रदर्शनकारी उमड़े

विक्रमसिंघे के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद राष्ट्रपति सचिवालय के बाहर एक बार फिर प्रदर्शनकारी उमड़ पड़े हैं। उनका विरोध किया जा रहा है।

मैं राजपक्षे प्रशासन का हिस्सा नहीं था : विक्रमसिंघे

राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले देश के कार्यवाहक राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने विभिन्न मुद्दों को लेकर बदनाम हुई राजपक्षे सरकार से दूरी बनाते हुए कहा था कि वह %उस प्रशासन% में नहीं थे और उन्हें दिवालिया देश की 'अर्थव्यवस्था को संभालने' के लिए नियुक्त किया गया था।

इसलिए संसद चुनती है नया राष्ट्रपति

श्रीलंका के संविधान के मुताबिक बीच कार्यकाल में निर्वाचित राष्ट्रपति के हट जाने पर संसद नए राष्ट्रपति का चुनाव करती है। देश में चल रहे जोरदार सरकार विरोधी आंदोलन के कारण 2019 के चुनाव में विजयी हुए गोतबाया राजपक्षे 13 जुलाई को देश छोड़ कर भाग गए थे। बाद में उन्होंने अपना इस्तीफा भेज दिया था। श्रीलंका की संसद में 225 सदस्य हैं। इनमें से कितनों ने वोट डाले और विक्रमसिंघे को कितने का समर्थन मिला, यह अभी पता नहीं चला है।

कड़ी सुरक्षा के बीच हुए चुनाव

श्रीलंका की संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने की शिकायत के बाद मंगलवार को श्रीलंका संसद परिसर में तथा उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। कड़ी सुरक्षा के बीच आज चुनाव कराए गए। अभयवर्धने ने आईजी के समक्ष सांसदों को सोशल मीडिया पर धमकी देने वाले भड़काऊ संदेशों के खिलाफ विस्तृत जांच की मांग की थी। इसके बाद, संसद परिसर में और उसके आसपास पुलिस तथा सेना को तैनात किया गया था। सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों ने भी शिकायत की थी कि उन्हें सोशल मीडिया पर कार्यवाहक राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के खिलाफ मतदान करने की धमकी दी जा रही है।

हमले में भारतीय अधिकारी घायल, उच्चायोग ने नागरिकों से कहा, हालात से अवगत रहें

श्रीलंका में तैनात भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी विवेक वर्मा बेवजह किए गए हमले में घायल हो गए। भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उच्चायोग ने भारतीय नागरिकों से श्रीलंका में नवीनतम घटनाओं से अवगत रहने और उसके हिसाब से आवाजाही करने और अन्य गतिविधियों की योजनाएं बनाने के लिए कहा है। बता दें, श्रीलंका में आर्थिक व सियासी संकट के चलते अशांति के हालात हैं। उच्चायोग ने ट्वीट किया, वीजा केंद्र के निदेशक विवेक वर्मा से मुलाकात की और मामला श्रीलंकाई अधिकारियों के ध्यान में भी लाया गया। उच्चायोग ने किसी भी बुरी स्थिति में उससे संपर्क करने को कहा।

रोजगार का नया अवतार बन गयी है गो-धन न्याय योजना

» बड़े आर्थिक बदलाव की ओर बढ़ रहा है प्रदेशः जिला प्रशासन।

» वर्मी खाद विक्रय से टर्न ओवर कमाया 93 लाख,

» समूह की महिलाएं बोली अब बदल गया लोगों का नजरिया।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

गोधन न्याय योजना पूरे देश में अपने किस्म की अनूठी योजना है। शासन की गोधन न्याय योजना ने गोबर को एक कमोडिटी में तब्दील कर दिया है। आज गोबर बेचा और खरीदा जा रहा है। शासन छत्तीसगढ़ में पशुपालकों से गोबर खरीद रही है। इस गोबर से गौठानों में स्व सहायता समूहों के द्वारा वर्मी खाद बनाई जा रही है। इस वर्मी खाद के विक्रय से समूहों को जो लाभ हो रहा हैं और उससे उनके जीवन में बड़ा बदलाव आ रहा है, इसी की एक बानगी देखने को मिलती है स्वच्छ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र स्तरीय संघ के साथ।

कोरिया जिले के मनेन्द्रगढ़ के शहरी गौठान में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण में संलग्न स्वच्छ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र स्तरीय संघ, जो एक महिला स्वसहायता समूह है, आजकल काफी चर्चा में है और इस चर्चा का विषय है कि किस तरह इस समूह ने वर्मी खाद बेचकर 93 लाख रूपए कमाए हैं। चर्चा हो भी क्यों ना किसने सोचा था कि गोधन इतने काम का हो सकता है। धार्मिक कार्यों में गोबर का बेहद महत्व माना जाता है पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने गोबर को आर्थिक बदलाव की धुरी बना दिया है। पूरे जिले में सर्वाधिक वर्मी खाद उत्पादन करने वाले विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ की स्वच्छ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र स्तरीय संघ की सदस्य श्रीमती प्रीति टोप्पो बताती हैं कि, ष्मैं पहले डोर-टू-डोर कचरा क्लेक्शन का कार्य करती थीं, जब गोधन न्याय योजना शुरू हुई तो शहर के गौठान में समूह के रूप में जुड़कर वर्मी कम्पोस्ट निर्माण का कार्य शुरू किया, तब घर-परिवार के लोग खुश नहीं थे, लेकिन जैसे-जैसे उत्पादन एवं विक्रय से लाभ मिला, लोगों का हमारे प्रति नजरिया बदलने लगा। इस योजना से हमें स्वरोजगार का जरिया मिला है और ये कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि समाज में हमारा मान-सम्मान बढ़ा है। समूह द्वारा अब तक 9 लाख 30 हजार किलोग्राम वर्मी कम्पोस्ट खाद उत्पादन कर बेचा गया है जिसके एवज में समूह को 93 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। इसमें समूह का शुद्ध लाभ 36.49 लाख रुपए है। प्रीति ने बताया उसे लाभांश से लगभग 50 हज़ार रुपये मिले हैं। उसने बहन की शादी में कुछ कर्ज लिया था, वो इस पैसे से छूट गया और बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए साईकल लेकर दी है। घर के लोग पहले घर मे टाइम ना दे पाने के कारण थोड़ा नाराज़ थे पर अब आय देखकर खुश हैं।

आत्मनिर्भरता का मिला रास्ता

इस समूह में 73 महिलाएं हैं। यानि सीधे-सीधे 73 महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं। गौठान में वर्मी कम्पोस्ट खाद उत्पादन के काम से जुड़ी कोई महिला निर्धन परिवार से है तो किसी ने कभी घर से बाहर निकलकर कभी काम नहीं किया। इस काम से हुई कमाई ने उन्हें अपने परिवार का मजबूत स्तंभ बनाया है। उन्हें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का रास्ता दिखाया है।

प्रीति ने बताया कैसे,कहां मिली मुख्यमंत्री से और उनके शब्दों ने जगाया नया मोटिवेशन

मुख्यमंत्री श्री बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में उनसे हुए संवाद को याद करते हुए प्रीति कहती हैं कि भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में राज्य के मुखिया से सीधे बात कर पाई, ये मेरे लिए और पूरे समूह के लिए बड़ा क्षण था। उन्होंने हमारा हौसला बढ़ाया और कहा कि गौठान का टर्नओवर जल्द ही एक करोड़ हो जायेगा। उनकी इस बात ने समूह में नई ऊर्जा का संचार किया है और समूह की सभी महिलाएं इस दिशा में दुगुनी मेहनत कर रही हैं।

अब तक जिले के वर्मी उत्पादक समूहों को 9 करोड़ से ज्यादा को किया गया है भुगतान

जिले में 332 गौठानों में संलग्न 345 महिला स्व-सहायता समूहों के द्वारा वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन एवं विक्रय किया जा रहा है। अब तक जिले में 1.30 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट का उत्पादन किया गया है जिसमें से 92 हजार 805 क्विंटल वर्मी खाद विक्रय किया जा चुका है। इसके एवज में समूहों को 9.28 करोड़ की आय हुई है और जिसमें समूह का शुद्ध लाभांश 3.52 करोड़ रूपये रहा है। जिले में 342 स्थानों पर गोबर खरीदी की जा रही है। इसमें 13 हजार ज्यादा विक्रेताओं से 3.93 लाख क्विंटल गोबर खरीदी की गई है और विक्रेताओं के खाते में 7.86 करोड़ रूपये सीधे अंतरित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कोरिया जिले के संयुक्त कलेक्टर को भेजा बलरामपुर-रामानुजगंज

कई विभागों के अधिकारियों की हुई है भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान शिकायत

» मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान कोरिया जिला प्रवास पर मुख्यमंत्री को मिली थी शिकायत

» कोरिया जिले का यह मुख्यमंत्री के द्वारा लिया गया पहला विकेट है,क्या और गिरेंगे विकेट।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में पदस्थ संयुक्त कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर का बलरामपुर रामानुजगंज जिले में तबादला कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने यह तबादला किया है। ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर बैकुंठपुर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व का दायित्व निभा रहे थे साथ ही वह सत्कार अधिकारी भी थे। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री अपने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत जब कोरिया जिले के प्रवास पर थे तब संयुक्ता कलेक्टर की शिकायत हुई थी और यह तबादला मुख्यमंत्री के कोरिया जिला प्रवास उपरांत राजधानी जाने पर होने पर इसबात की पुष्टि भी हो रही है कि शिकायतों पर ही यह तबादला किया गया है। वैसे मुख्यमंत्री का भेंट मुलाकात कार्यक्रम जहां जहां आयोजित हुआ वहां वहां किसी न किसी पर मुख्यमंत्री ने कार्यवाही जरूर की। सबसे ज्यादा कार्यवाही यदि उन्होंने की तो वह सरगुजा संभाग में की यह भी दिखाई दे रहा है। सरगुजा में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों सहित छोटे कर्मचारियों तक मुख्यमंत्री की कार्यवाही रही।

मुख्यमंत्री के राजधानी पहुंचते ही जारी हुआ तबादला आदेश

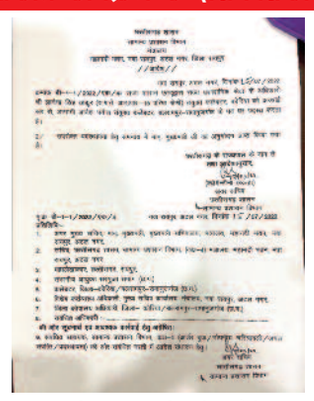

मुख्यमंत्री भेंट मुलाकात कार्यक्रम के बाद कोरिया जिले से जैसे ही राजधानी पहुंचे संयुक्त कलेक्टर का तबादला आदेश जारी हो गया। इस आदेश को मुख्यमंत्री के सामने हुई शिकायत के आधार पर हुई कार्यवाही माना जा रहा है। संयुक्त कलेक्टर के पद पर पदस्थ ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर फिलहाल एसडीएम बैकुंठपुर का दायित्व निर्वहन कर रहे थे वहीं वह सत्कार अधिकारी का भी दायित्व निर्वहन कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मिली शिकायत पर गंभीरता दिखाते हुए हर जगह कार्यवाही की और अधिकारियों के विकेट गिराए खासकर आएगा संभाग में उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट गिराये यह इस जारी आदेश के बाद तय हो गया है। मुख्यमंत्री ने सरगुजा संभाग में अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ मिली शिकायत पर कोई समझौता नहीं करते हुए तत्काल कार्यवाही की है। संयुक्त कलेक्टर का भी विकेट मुख्यमंत्री ने शिकायत के आधार पर गिराया है यह माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री के कोरिया जिले प्रवास के दौरान सभी विभागों से संबंधित शिकायतें हुई हैं। मुख्यमंत्री ने संयुक्त कलेक्टर का विकेट गिराया है शिकायत के आधार पर यह माना जा रहा है, क्या बाकी शिकायतों पर भी मुख्यमंत्री सज्ञान लेकर और विकेट गिराएंगे यह एक बड़ा प्रश्न है क्योंकि कोरिया जिले में सबसे ज्यादा शिकायतें हुई हैं और हर शासकीय विभाग की शिकायत हुई है।

कलेक्टर संजीव झा की पहल पर निधि करेगी होटल मैनेजमेंट की पढाई

-नगर संवाददाता-

कोरबा, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

कलेक्टर संजीव झा की संवेदनशीलता से गरीब परिवार की छात्रा कुमारी निधि टण्डन होटल मेनेजमेंट की पढ़ाई करेगी। निधि की आगे की पढाई के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। दरअसल पुरानी बस्ती कोरबा निवासी कुमारी निधि टण्डन ने आयोजित जन चौपाल में नया रायपुर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में बीएससी होटल एडमिनिस्ट्रेशन कोर्स की पढाई के लिए संस्थान में प्रवेश के लिए आवश्यक सहयोग करने के संबंध में कलेक्टर श्री झा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होने कमजोर आर्थिक स्थिति और गरीब परिवार से संबंधित होने की जानकारी कलेक्टर को दी। पढाई में मेधावी निधि ने बताया कि उन्होने कक्षा 12वी विज्ञान विषय के साथ 89 प्रतिशत अंको के

साथ उत्तीर्ण किया है। निधि ने होटल मैनेजमेंट संस्थान में पढ़ाई करने की इच्छा जताते हुए पढाई में आवश्यक आर्थिक सहयोग करने के लिए कलेक्टर से निवेदन किया। कलेक्टर श्री झा ने निधि की बातों को संवेदनशीलता से सुनते हुए उनकी होटल मैनेजमेंट की पढाई में डीएमएफ मद से आवश्यक मदद करने के निर्देश बैठक में मौजूद अधिकारियों को दिये। जन चौपाल में जिले वासियों ने अपनी समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री संजीव झा ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित जन चौपाल में लोगों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निदान के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। जन चौपाल में 107 लोगों ने कलेक्टर श्री झा को अपनी समस्याओं-सुझावों से अवगत कराया। आयोजित जन चौपाल में एडीएम श्री विजेन्द्र पाटले, डी.एफ.ओ. कोरबा श्रीमती प्रियंका पाण्डेय, डीएफओ कटघोरा श्रीमती प्रेमलता यादव, जिला पंचायत के सी.ई.ओ. श्री नूतन कंवर, नगर निगम आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय सहित सभी विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

सार्वजनिक स्थान पर देशी कट्टा के साथ आरोपी गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

खड़गवां, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरिया श्री त्रिलोक बंसल के द्वारा अवैध जुआ, शराब एवं अवैध कार्यों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने हेतु आदेशित करने पर एवं पुलिस अभियान के तहत श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मधुलिका सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी श्री पी.पी सिंह के निर्देष पर दिनांक 19.07.2022 को मुखबीर की सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम देवाडाड में एक वयक्ति कट्टा लेकर घूम रहा है सूचना पर आरोपी बाबूलाल को पकड़ कर आरोपी बाबूलाल अगरिया पिता सुकालू ग्राम कोचका थाना खडगवा जिला कोरिया को

देशी कटटा लहराते लोगो को भयभीत करते पकड़ा गया तथा आरोपी के कब्जे से एक नग देशी कटटा जप्त किया गया तथा आरोपी के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया आर्म्स एक्ट की सम्पूर्ण कार्यवाही ने उप निरीक्षक विजय सिंह थाना प्रभारी खड़गवा, सउनि ओमप्रकाश सेनी राजकुमार सेन, रवि शर्मा, मो. आजाद, सैनिक विनय श्याम की विशेष भूमिका रही।

कोल इंडिया चेयरमैन ने गेवरा व दीपका मेगा परियोजनाओं का किया निरीक्षण

-नगर संवाददाता-

कोरबा, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।चेयरमैन कोल इण्डिया प्रमोद अग्रवाल ने आज एसईसीएल की दो बड़ी मेगा परियोजनाओं का किया निरीक्षण । वे सुबह मुख्यालय बिलासपुर से गेवरा हाउस पहुँचे जहाँ महाप्रबंधक व कोर टीम के साथ आरम्भिक चर्चा उपरांत वे माईन का निरीक्षण करने पहुंचे । श्री प्रमोद अग्रवाल ने माईन के अलग अलग पैचों में चल रहे उत्पादन गतिविधियों का अवलोकन किया तथा आवश्यक निर्देश दिए । उन्होंने विभागीय ओबी निष्कासन का भी निरीक्षण किया । माईन में चर्चा के दौरान आमगाँव, नराइबोध आदि गांवों से सटे खदान के विस्तार से जुड़े बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा चेयरमैन कोल इंडिया ने टीम के साथ जाकर वस्तुस्थिति का अवलोकन किया। गेवरा परियोजना के निरीक्षण उपरांत कोल इंडिया चेयरमैन दीपका व्यू प्वाइंट पहुँचे तथा खदान की गतिविधियों का जायजा लिया । उन्होंने खदान के विस्तार से जुड़े आमगाँव, सुआ भोंडी मलगाँव आदि गांवों की ओर परियोजना के विस्तार से सम्बंधित बिंदुओं का भी स्वयं अवलोकन किया । चेयरमैन श्री प्रमोद अग्रवाल ने पॉवर सेक्टर को प्राथमिकता के आधार पर कोयला डिस्पैच करने हेतु भी निर्देशित किया । उन्होंने सीपत एनटीपीसी संयंत्र को हो रही आपूर्ति की भी जानकारी ली । श्री अग्रवाल ने मेगा परियोजनाओं के कार्य निष्पादन पर चर्चा करते हुए कहा कि, ये परियोजनाएँ कोल इण्डिया ही नहीं, बल्कि देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है । अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कोयले की कीमतों में वृद्धि के मद्देनजर हम सबका यह दायित्व है कि अधिकाधिक उत्पादन कर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएं ।

स्कूल परिसर में हुए चोरी मामले का पुलिस ने किया खुलासा

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

दिनांक 19.07.2022 को डीव्हीएम इंटरनेशनल स्कूल जरही के डायरेक्टर प्रफुल्ल कुमार ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि बीते रात्रि को कोई अज्ञात चोर स्कूल में लगा सबमर्सिबल पम्प एवं पंखा चोरी कर लिया है। प्रार्थी की रिपोर्ट धारा 457, 380 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में थाना भटगांव की पुलिस मामले में चोर की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर से सूचना मिला कि जरही निवासी सूरज राजवाड़े अपने घर में सबमर्सिबल पम्प तथा केबल वायर रखा है और बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना

पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दबिश देकर सूरज राजवाड़े को पकड़ा। पूछताछ पर उसने डीव्हीएम स्कूल परिसर से 2 नग सबमर्सिबल पम्प, 3 नग पंखा, पाईप व केबल वायर चोरी करना एवं चोरी किए गए सबमर्सिबल पम्प व पंखा को जरही निवासी अशोक राय के पास 5 हजार रूपये में बिक्री करना बताया। मामले में पुलिस ने आरोपी अशोक राय को पकड़ा। आरोपियों के निशानदेही पर 2 नग सबमर्सिबल पम्प, 3 नग पंखा, 9 नग पाईप, 120 मीटर केबल कुल कीमत 46500/- रूपये का बरामद किया कर धारा 411 भादसं जोड़ी जाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव शरद चन्द्रा, एसआई बीएम गुप्ता,, प्रधान आरक्षक रजनीश पटेल, मनोज जायसवाल व प्रहलाद पैंकरा सक्रिय रहे।

आज प्रशासन विभिन्न जगहों पर टीकाकरण केन्द्र बनाकर कोविड वैक्सीनेशन अभियान चलाएगी

-नगर संवाददाता-

कोरबा, 20 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

कोरबा में रोजाना जिस तरह से कोरोना पॉजिटिव के मामले बढ़ रहे हैं ऐसे में कोविड नियमों के प्रति लोग लापरवाही नहीं बरतें। मंगलवार को कोरोना के 54 नए मरीजों की पहचान हुई । वैक्सीन लगवाने पात्र होने पर कोरोना का टीका जरूर लगवाएं। इसके लिए प्रशासन 21 जुलाई को विभिन्न जगहों पर टीकाकरण केन्द्र बनाकर वैक्सीनेशन अभियान चलाएगी, नजदीक के वैक्सीनेशन सेंटर में पहुंचकर टीका जरूर लगवाएं।

। जिले में कोरोना मरीजों के एक्टिव केस की संख्या 158 हो गई है। कोविड नियम के प्रति लापरवाही बरतने के कारण स्वास्थ्य होने वाले मरीजों की तुलना में संक्रमितों की संख्या बढ़ने लगी है। एक बार फिर कोरोना के आंकड़े बढने लगे शहर के हॉस्पिटल ट्रामा सेंटर को कोविड हॉस्पिटल के लिए विकसित किया जा रहा है, ताकि यहां पर मरीजों का उपचार किया जा सके। आगामी सप्ताह तक अस्पताल तैयार हो जाएगी। संक्रमित मरीजों का होम आइसोलेशन में ही इलाज किया जा रहा है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुमित्रा अग्रवाल पत्नी बजरंग लाल अग्रवाल, उम्र-56 वर्ष,निवासी-त्रिपाठी गली, ब्रम्हवार्ड नम्बर 34 नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि अनावेदक/विक्रेता प्रदीप बंसल आ0 स्व0 परमेश्वर दास, उम्र-53 वर्ष निवासी- ब्रम्हरोड नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की मोहल्ला - ब्रम्हपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 3138/3, 3138/5 रकबा 0.03, 0.06 एकड़ भूमि है। उक्त नजूल प्लॉट 3138/3, 3138/5 रकबा 0.03, 0.06 में से रकबा 653, 322 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 14.07.2022 के द्वारा अनावेदक/विक्रेता प्रदीप बंसल आ0 स्व0 परमेश्वर दास,उम्र-53 वर्ष निवासी-ब्रम्हरोड नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 से मेरे द्वारा क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 14.07.2022 के आधार पर अपने नाम नामांतरण किए जाने बाबत आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/08/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/07/2022 को मेरे न्यायालयीन परमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गीता विश्वकर्मा पत्नी अजय विश्वकर्मा जाति लोहार निवासी भट्ठीरोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगवां तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 836/39 रकबा 0.040 हे0 का आवासीय व्यपवर्तन कराने के लिए शपथ पत्र, खसरा,बी-1,पंचायत प्रस्ताव,रजिस्ट्री की प्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 03/08/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शीला विश्वकर्मा पत्नी विजय विश्वकर्मा जाति लोहार निवासी भट्ठीरोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगवां तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 836/28 रकबा 0.020 हे0 का आवासीय व्यपवर्तन कराने के लिए शपथ पत्र, खसरा,बी-1,पंचायत प्रस्ताव,रजिस्ट्री की प्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 03/08/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 202207021700053 /ब-121/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वाजिद अंसारी आ0 औसाफ , निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित खसरा नंबर 706 रकबा 0.2100 हे0 भूमि का द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका जारी करने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/08/2022 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 15/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202203020700038

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सनः- 2021-2022

फतेहपुर प .ह.न. 00028 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-पंचम सिंह,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन

ईश्तहार

आवेदक पंचम सिंह पिता स्व0 साखाराम निवासी फ्तेहपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग के द्वारा ग्राम फ तेहपुर स्थित खसरा नंबर 1269/1, 1270/1 रकबा 0.049, 0.064 हे0भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबध्द विक्रय पत्र दिनांक 24-03-1998 के माध्यम से नामांतरण किये जाने बावत आवेदक पेश किया गया है

उक्त संबध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10.08.2022 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/03/2022 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

तोक्यो में पदक के बाद भारतीय हॉकी टीम का लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने पर

तोक्यो में पदक के बाद भारतीय हॉकी टीम का लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण लेने का है। तोक्यो ओलंपिक में पिछले साल 41 साल का इंतजार खत्म करके कांस्य पदक जीतने के बाद से भारतीय टीम के हौसले बुलंद है

बेंगलुरू ,20 जुलाई 2022 । भारतीय पुरूष हॉकी टीम के डिफेंडर सुरेंदर कुमार ने बुधवार को कहा कि टीम की नजरें राष्ट्रमंडल खेलों में आस्ट्रेलिया का दबदबा खत्म करके स्वर्ण पदक जीतने पर लगी है। आस्ट्रेलिया ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरूष हॉकी स्पर्धा में लगातार छह स्वर्ण पदक जीते हैं। तोक्यो ओलंपिक में पिछले साल 41 साल का इंतजार खत्म करके कांस्य पदक जीतने के बाद से भारतीय टीम के हौसले बुलंद है। भारत ने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल और 2014 ग्लास्गो खेलों में रजत पदक जीता था। सुरेंदर ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा ,'' हमारा लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। बाकी सब प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।''

पिछले साल तोक्यो में कांसे का तमगा जीतने के बाद भारतीय टीम हालांकि उस लय को कायम नहीं रख सकी।एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में टीम तीसरे स्थान पर रही। एफआईएच प्रो लीग में भी तीसरा स्थान ही मिला। सुरेंदर ने कहा ,'' तोक्यो ओलंपिक के बाद से हमने काफी अच्छे मुकाबले खेले हैं। मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने के अनुभव का हमें फायदा मिलेगा।'' भारत पूल बी में इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स और घाना के साथ है। पहले मैच में भारत को 31 जुलाई को घाना से खेलना है। सुरेंदर ने कहा ,'' हम इस मैच को हलके में नहीं ले रहे हैं। हर टीम जीत के इरादे से ही उतरेगी। हमारा पहला फोकस घाना के खिलाफ मैच पर है। हमने खिलाड़ियों से दबाव लिये बिना खेलने को कहा है।

सितम्बर-अक्टूबर 2023 से हांगझोऊ में होंगे 19वें एशियाई खेल

हांगझोऊ ,20 जुलाई 2022 । चीन के हांगझोऊ में होने वाले 19वें एशियाई खेल स्थगित हो गये थे और अब इनका आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर 2023 के बीच किया जाएगा। एशियाई ओलंपिक काउंसिल (ओसीए) ने यह जानकारी दी।

19वें एशियाई खेलों को मूल रूप से 10 से 25 सितंबर 2022 तक हांगझोऊ में आयोजित करने की योजना थी, हालांकि ओसीए कार्यकारी बोर्ड ने छह मई 2022 को कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण खेलों को स्थगित कर दिया गया था और एक 'टास्क फोर्स' (ईबी) को खेलों की नई तारीखों को अंतिम रूप देने के लिए बनाया गया था।

ओसीए ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि टास्क फोर्स ने पिछले दो महीनों में चीनी ओलंपिक समिति, हांगझोऊ एशियाई खेलों की आयोजन समिति (एचएजीओसी) और अन्य हितधारकों के साथ खेलों की तिथियां निर्धारित करने के लिए विचार-विमर्श किया, जो अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के साथ न टकराये। टास्क फोर्स द्वारा प्रस्तावित तिथियों को ओसीए कार्यकारी बोर्ड द्वारा मंजूरी दी गयी थी। अब 19वें एशियाई खेलों का आयोजन 23 सितंबर 2023 से होगा।

ओसीए ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ओसीए एचएजीओसी, चीनी ओलंपिक समिति और सभी स्तरों पर सरकारों को महामारी के दौरान खेलों की तैयारी में कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद देता है और यह सुनिश्चित करता है कि वे अगले साल हो सकें। ओसीए ने राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों और अंतरराष्ट्रीय महासंघों/एशियाई महासंघों सहित अन्य हितधारकों को धन्यवाद दिया।

जिम्बाब्वे में तीन वनडे मैच खेलेगी टीम इंडिया

हरारे ,20 जुलाई 2022 । आने वाले दिनों में ज़िम्बाब्वे क्रिकेट टीम काफ़ी व्यस्त रहेगी। बांग्लादेश और भारत की टीम जुलाई से अगस्त तक ज़िम्बाब्वे में रहेगी। ज़िम्बाब्वे इस बार के टी20 विश्व कप में चालीफ़ाई कर चुकी है। साथ ही वह 28 से 3 सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर रहेगी।

इस सीरीज़ से उन्हें टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलियाई वातावरण में अनुकुलित होने का बढ़िया समय मिल जाएगा। इस दौरान वह तीन वनडे मैचों की सीरीज़ खेलेंगे। 18 सालों में यह पहली बार हो रहा है, जब ज़िम्बाब्वे की टीम ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर जाएगी। इससे पहले दोनों टीमों ने एक-दूसरे के ख़िलाफ़ 2014 में एक वनडे मैच खेला था। बांग्लादेशी टीम हरारे में 30 जुलाई से 2 अगस्त के बीच तीन टी20 मैच खेलेगी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज़ भी होनी है। इसके बाद 18 से 22 अगस्त के बीच भारत और ज़िम्बाब्वे के बीच तीन वनडे मैचों की एक श्रृंखला होगी।

भारत के ख़िलाफ़ जो तीन वनडे है, वह आईसीसी वनडे सुपर लीग का हिस्सा है। अगले साल भारत में वनडे विश्व कप का आयोजन होने वाला है। इसमें कुल 10 टीमों को हिस्सा लेना है। वनडे सुपर लीग से सात टीमों का चयन होगा।

सुपर लीग में ज़िम्बाब्वे ने अब तक कुल 15 मैच खेले हैं, जिसमें से वह सिर्फ़ तीन ही मैच जीत पाया है। अंक तालिका में फ़िलहाल वह 12वें स्थान पर है। भारत की एक युवा टीम फ़िलहाल वेस्टइंडीज़ के दौरे पर है। इस दौरे पर शिखर धवन टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत वहां तीन वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज़ खेलेगा, जो 7 अगस्त को फ़्लोरिडा में समाप्त होगी।

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारत को झटका,डोप में फंसीं स्प्रिंटर एस धनलक्ष्मी

नई दिल्ली ,20 जुलाई 2022 । बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय एथलेटिक टीम के चार गुणा 100 मीटर रिले में पदक जीतने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। पिछले वर्ष दुती चंद और बीते माह हिमा दास को 100 और 200 मीटर में हराकर सुर्खियां बटोरने वाली तमिलनाडु की स्प्रिंटर एस धनलक्ष्मी डोप में फंस गई हैं।वह वर्ल्ड एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) की ओर से कराई गई टेस्टिंग में पकड़ी गई हैं। एआईयू ने धनलक्ष्मी का देश से बाहर आउट ऑफ कंपटीशन सैंपल लिया था। उनके सैंपल में एनाबॉलिक स्टेरायड पाया गया है। उन्हें अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

दूसरे स्थान पर फिसले बुमराह

पंड्या जबरदस्त छलांग लगाकर पहुंचे 8वें स्थान पर

दुबई ,20 जुलाई 2022 । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी वनडे रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में एक पायदान नीचे दूसरे स्थान पर आ गए जबकि हार्दिक पंड्या हरफनमौलाओं की सूची में 13 पायदान चढकर आठवें स्थान पर आ गए हैं। भारत ने इंग्लैंड को वनडे श्रृंखला में 2 . 1 से हराया। बुमराह कमर की तकलीफ के कारण आखिरी मैच नहीं खेल सके जिससे उन्हें शीर्ष स्थान गंवाना पड़ा। यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट 704 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर हैं जबकि बुमराह उनसे एक अंक पीछे हैं। युजवेंद्र चहल चार पायदान चढकर चौथे स्थान पर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट और सौ से अधिक रन बनाने वाले पंड्या बल्लेबाजों की रैंकिंग में आठ पायदान चढकर 42वें स्थान पर हैं। आखिरी वनडे में नाबाद 125 रन बनाने वाले ऋषभ पंत 25 पायदान चढकर 52वें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम बल्लेबाजों में शीर्ष पर हैं। विराट कोहली चौथे और रोहित शर्मा पांचवें स्थान पर हैं। हरफनमौलाओं की सूची में इंग्लैंड के बेन स्टोक्स चार पायदान गिरकर शीर्ष दस से बाहर हो गए हैं। टेस्ट रैंकिंग में इस सप्ताह कोई बदलाव नहीं है।

रोमांटिक कॉमेडी फिल्म हरियाणा का ट्रेलर लॉन्च

आगामी हिंदी फिल्म हरियाणा का ट्रेलर मुंबई में लॉन्च किया गया है। लॉन्च के मौके पर अभिनेता से निर्देशक बने संदीप बसवाना व फ़िल्म के मुख्य कलाकार यश टोंक, अश्लेषा सावंत, रोबी मेढ़, मोनिका शर्मा और आकर्षण सिंह मौजूद थे। हिंदी फिल्म हरियाणा 3 भाइयों की कहानी है। महेंद्र सबसे बड़ा भाई है, दूसरा भाई जयबीर हिसार में पढ़ता है। जुगनू सबसे छोटा है जो एक सामान्य 20 साल के बच्चे की तरह प्यार और आराम में बड़ा हुआ है। तीनों भाइयों को एक ही समय प्यार हो जाता है और यही वह नींव है जिसके माध्यम से कहानी सामने आती है। जुगनू एक फिल्म शौकीन है। यही उसका जुनून और केवल प्यार है। वह अपने 3 सबसे अच्छे दोस्तों के साथ गाँव में खुश रहता है और जब तक उसे हिंदी फिल्में देखने को मिलती है, वह जीवन भर मस्ती करता रहता है। ऐसे ही एक दिन जब वह पहली बार आलिया भट्ट की फिल्म देखता है, तो उसका मासूम दिल आलिया भट्ट के प्यार में पड़ जाता है। उसके बाद से, कहानी में ट्विस्ट और टर्न आते हैं और कैसे महेंद्र अपने भाई की भावनाओं की रक्षा करने और उन्हें अत्यधिक महत्व देने के लिए सब कुछ करता है। ट्रेलर लॉन्च पर निर्देशक संदीप बसवाना ने कहा कि हरियाणा एक रोमांटिक कॉमेडी है, साथ ही यह भाइयों के बीच भाईचारे की बॉन्डिंग और प्यार को भी दर्शाती है। यह एक प्यारी, रोमांटिक कॉमेडी है। कलाकारों और क्रू को उम्मीद है कि दर्शक भी फिल्म को प्यार देंगे।

हरियाणा राजा बसवाना फिल्म्स के बैनर तले बी राजा और संदीप बसवाना द्वारा निर्मित एक रोमांटिक कॉमेडी है। संदीप बसवाना लेखक, निर्देशक और गीतकार हैं। संयुक्ता काजा और जितेंद्र डोंगरे ने फिल्म का संपादन किया है। बैकग्राउंड स्कोर गुरु धनोआ और मोहित पाठक ने दिया है। मोहित पाठक फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर भी हैं। और म्यूजिक प्रोडक्शन गुरु धनोआ ने किया है। स्वप्नील जयकर क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं।

शमशेरा की कहानी से प्रभावित थीं वाणी कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर शमशेरा के रूप में एक और वाईआरएफ फिल्म के साथ वापस आ गई हैं, जहां उन्हें रणबीर कपूर के साथ जोड़ा गया है, जो मुख्य भूमिका में हैं। जबकि रणबीर के लिए, स्क्रिप्ट के लिए हां कहना एक नो-ब्रेनर था, वाणी विशेष रूप से फिल्म के निर्देशक करण मल्होत्रा से सुनाए गए कथन से प्रभावित थीं।

शमशेरा ऋतिक रोशन-स्टारर अग्निपथ (2012) और 2015 की रिलीज ब्रदर्स के बाद करण की तीसरी फिल्म है, जो हॉलीवुड फिल्म वॉरियर की आधिकारिक रीमेक थी। जब नैरेशन की बात आती है तो निर्देशक में उतनी ही तीव्रता और जुनून होता है और यह उनके रचनात्मक इनपुट में परिलक्षित होता है जो वर्णन के दौरान सामने आता है, जैसा कि वाणी ने बताया था। वाणी ने कहा, करण एक ऐसे निर्देशक हैं जो वर्णन की प्रक्रिया में पूरी लगन से शामिल हैं।

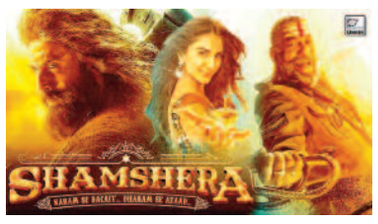

पृष्ठभूमि की आवाजें हैं जो वह बनातें है, वह प्रॉप्स के बारे में बात करतें है, और एक दृश्य की एक स्वप्निल तस्वीर पेश करते हैं।हालांकि यह अंकित मूल्य पर अजीब लग सकता है, यह वाणी की राय में एक अभिनेता की काफी हद तक मदद करता है।

उन्होंने कहा, इससे एक अभिनेता को कहानी और पात्रों पर पकड़ बनाने में बहुत मदद मिलती है, क्योंकि आप उसके कथन के माध्यम से इसकी कल्पना कर सकते हैं, सब कुछ जीवंत हो जाता है और आपकी आंखों के सामने चमक जाता है।अभिनय एक ऐसा काम है जिसके लिए कलाकारों को अपने व्यक्तित्व में तेजी से बदलाव करने की जरूरत होती है, क्योंकि वे विभिन्न पात्रों को चित्रित करते हैं। जहां कुछ लोगों को एक किरदार से दूसरे किरदार में कूदना आसान लगता है, वहीं वाणी अभी भी अपने किरदारों को छोड़ना सीख रही है।

मृणाल ठाकुर हैदराबाद में सीता रामम के सह-कलाकार,दुलकर सलमान के साथ रीयूनाइट हुई

मृणाल ठाकुर बैक टू बैक प्रोजेक्ट्स की शूटिंग में व्यस्त हैं जो पिछली तिमाही से चल रही हैं। अभिनेत्री ने गुमराह की शूटिंग आदित्य रॉय कपूर के साथ समाप्त कर दी है और तुरंत दिल्ली में एक और अघोषित प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है।

उनकी अगली फिल्म, जो उनकी आधिकारिक रूप से दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री में सीता रमाम से शुरुआत होगी, जो 5 अगस्त को रिलीज़ होने के लिए तैयार है और मृणाल को दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री कि दिल की धड़कन, दुलकर सलमान के साथ देखा जाएगा। मृणाल फिल्म की प्रमोशन के लिए एक दिन की यात्रा करके अपने शूटिंग शेड्यूल के बीच कल शाम को वह हैदराबाद में अपने सह-कलाकार दुलकर के साथ फिर से रीयूनाइट हुई, जहां दोनों ने कानुन्ना कल्याणम गीत लॉन्च किया।

काव्या थापर का नया गाना बारिश के दिन बना इस मौसम में प्यार करने की एक और वजह, ज़ी म्यूजिक पर गाना रिलीज़

संगीत एक अत्यधिक शक्तिशाली माध्यम है जो हम सभी को मंत्रमुग्ध कर सकता है और हमें जीवन में शांत सुख प्रदान कर सकता है जिसे हम लगातार महत्व देते हैं। हम सभी जानते हैं कि संगीत का एक टुकड़ा बनाने के लिए बहुत प्रयास और ध्यान देने की आवश्यकता होती है। और जब वह एक भावुक संगीत हमें एकजुट करता है और हमारे सिर में समा जाता है, तो हम तुरंत अपना सिर घुमाने लगते हैं और अभिनेत्री काव्या थापर का नया गीत बारिश के दिन प्यार और सिर्फ प्यार के बारे में है। काव्या का खूबसूरत लुक और करिश्मा लोगों को अचंभित करने में कभी असफल नहीं रहा। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है और उसने अपने नए गाने के बारे में जानकारी दी है, जिसकी सुखदायक धुन और खूबसूरत लोकेशन ने हमें अवाक कर दिया है। यह गीत कुछ इस तरह है जहां काव्य जो काफी जुनून से प्यार करती है, लेकिन एक लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में है, अपने प्यार को छोड़ने के वजहसे काफी दुखी महसूस करती है, लेकिन मानसून का शुक्रिया जो उसकी उड़ान को रद्द कर देता है और उसे अपने प्यार के साथ फिर से मिलाता है। यह शांत संगीत निस्संदेह इस तनावपूर्ण जीवन में आपके पसंदीदा चयनों में से एक होगा।मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरा गाना रिलीज हो गया क्योंकि मैं हमेशा एक मानसून गाना करना चाहती थी और आखिरकार यह गाना आ गया। मैं मानसून के मौसम की बड़ी दीवानी हूं, मुझे बारिश की सुखद ध्वनि और इसके साथ आने वाली भावनाएं बहुत पसंद हैं। यह निश्चित रूप से बारिश के बारे में मेरे द्वारा सुने गए सबसे अच्छे गीतों में से एक है और इसके बोल इस मौसम के दौरान हम सब को दिल से मेहसूस हने वाले हे। गाने को स्टेबिन बेन ने खूबसूरती से गाया है और जब मुझे गाना ऑफर किया गया तो मैं खुद को हां कहने से रोक नहीं पाई। मैं मानसून के प्रभाव की तरह, इस गीत को लाए गए शांतिपूर्ण, प्रेमपूर्ण और प्यारे खिंचाव से बहुत संबंधित हूं। मैं इस मौसम में बहुत शांत रहती हूं क्योंकि पूरे साल हम काम के लिए यात्रा करते हैं, लेकिन मानसून होता है तब मैं अपने और अपने परिवार के साथ समय बिताती हूं और इसका अधिकतम लाभ उठाती हूं। बारिश के दिन बारिश को प्यार का कारण बनने देने के बारे में यह गाना है। मैंने अपने अद्भुत सह-कलाकार, पारस अरोड़ा के साथ इसकी शूटिंग के लिए में बहुत अच्छा समय बिताया। मैं वास्तव में इस बात से खुश हूं कि वीडियो कितनी खूबसूरती से निकला है, और अब मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे और इसे खुले हाथों से स्वीकार करेंगे।, काव्या थापर कहती हैं।

निथिन की 'माचेरला नियोजकावर्गम' में अंजलि अपना जादू दिखाने को तैयार

अभिनेत्री अंजलि, निथिन अभिनीत एक्शन ओरिएंटेड कमर्शियल ड्रामा 'मचेरला नियोजकावर्गम' के लिए अपने डांस नंबर के जारिए दर्शकों पर अपना जादू चलाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फिल्म निर्माताओं ने रविवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में अंजलि के लुक का खुलासा किया। पोस्टर में अभिनेत्री को एक आकर्षक पोशाक पहने हुए एक असाधारण सेटिंग में दिखाया गया है।

अंजलि और नितिन एक साथ गाने पर डांस करेंगे, जिसे महती सागर ने लिखा है। सुधाकर और निकिता रेड्डी ने श्रेष्ठ मूवीज बैनर के तहत फिल्म का सह-निर्माण किया है। वहीं एम.एस. द्वारा निर्देशित राजा शेखर रेड्डी, फिल्म में फीमेल लीड के रूप में कृति शेट्टी और कैथरीन टेरेसा हैं। 'माचेरला नियोजकावर्गम' 12 अगस्त को रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

दिल की गंभीर बीमारी से पीड़ित कमार बच्ची को मिला नया जीवन

रायपुर, 20 जुलाई 2022। बालिका गृह में रह रही विशेष पिछड़ी कमार जनजाति की बिन माता-पिता की नौ साल की बच्ची सुनंदा (बदला हुआ नाम) की बीमारी का पता चलते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संवेदनशीलता एक बार फिर दिखाई दी। महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया ने रायपुर के शासकीय बालिका गृह में रह रही दिल की गंभीर बीमारी से पीड़ित नौ साल की बालिका सुनंदा के इलाज के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल को पत्र लिखकर अनुरोध किया था। इस पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने तुरंत विशेष प्रकरण मानते हुए नियमों को शिथिल कर मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से 03 लाख 86 हजार रूपए स्वीकृत कर दिया। विगत 4 जून को एम्स रायपुर के कार्डियक सर्जन डॉ. नितिन कश्यप के निर्देशन में सुनंदा का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। सबके प्रयासों से सुनंदा को नया जीवन मिला है।

इलाज के बाद ठीक होकर मंगलवार को सुनंदा आभार प्रकट करने श्रीमती भेंड़िया के घर पहुंची। श्रीमती भेंड़िया ने सुनंदा को स्वस्थ और उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। श्रीमती भेंड़िया के पूछने पर उसने बड़े होकर शिक्षिका बनने की इच्छा जताई। इस पर श्रीमती भेंड़िया ने उसे गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में ज्ञान बांटने की समझाईश दी। जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री शैल ठाकुर ने बताया कि सुनंदा की जांच कराने पर डॉक्टरों ने उसे हृदय के वॉल्व संबंधी गंभीर बीमारी से पीड़ित होना बताते हुए ऑपरेशन (डीवीआर विथ टीवी रिपेयर) की जरूरत बताई। सुनंदा के पास राशन कार्ड, आधार कार्ड जैसे कोई दस्तावेज नहीं थे। उसकी उम्र के आधार पर छोटे बच्चों के लिए संचालित योजनाओं के दायरे में भी वह नहीं आ रही थी।

छत्तीसगढ़ में पायलट प्रोजेक्ट रूप में लॉन्च होगा एफजीआर पोर्टल

रायपुर, 20 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और कार्यक्रमों को देखते हुए केन्द्र सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा एफजीआर पोर्टल को छत्तीसगढ़ राज्य में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 21 जुलाई 2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लॉन्च किया जाएगा। इसको लेकर केन्द्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि उत्पादन आयुक्त छत्तीसगढ़ को कृषि विभाग अधिकारियों सहित कृषक प्रतिनिधियों, किसानों एवं पंचायतों के पदाधिकारी की ऑनलाईन भागीदारी सुनिश्चित करने और उन्हें शॉर्ट कोड 14447 से अवगत कराने को कहा है। गौरतलब है कि भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा देश भर के किसानों की खेती-किसानी संबंधी विशेषकर फसल बीमा से संबंधित शिकायतों के निदान के लिए किसान शिकायत निवारण पोर्टल (एफजीआर) तैयार किया गया है। इस पोर्टल को फिलहाल केन्द्र सरकार द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में छत्तीसगढ़ में लागू किया जा रहा है।

जल जीवन मिशन पर विपक्ष ने सरकार को घेरा,पीएचई मंत्री के जवाब से असंतुष्ट बीजेपी सदस्यों ने किया वॉकआउट

रायपुर, 20 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जल जीवन मिशन का मामला उठाया. विपक्ष ने सदन की कमेटी से जांच की मांग की. इस पर पीएचई मंत्री मंत्री गुरु रुद्र कुमार के जवाब से असंतुष्ट बीजेपी सदस्यों ने वॉकआउट किया.

विधायक रंजना साहू ने जल जीवन मिशन में घरेलू नल कनेक्शन देने का लक्ष्य पूरा नहीं होने का मामला उठाया. मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने कोविड और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की वजह से लक्ष्य से पीछे रहने की बात कही. भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने पूछा कि 2019-20 और 20-21 में कितनी फ़ीसदी केंद्रांश की राशि मिली और कितनी खर्च हुई. राज्यांश की कितनी राशि मिली? मंत्री के जवाब पर चंद्राकर ने तर्क दिया कि राज्यांश नहीं दिए जाने की वजह से योजना का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ. मंत्री ने कहा कि केंद्र के नियम बार-बार बदलते रहे. इस वजह से भी देरी हुई है. नक्सल एरिया में ठेकेदारों के नहीं जाने की वजह से भी देरी हुई.

विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण पहलू ये है कि तीन सालों के लक्ष्य के अनुपात में राज्यांश नहीं दिया गया है. पीएचई के ठेकेदारों को पाँच-पाँच महीने तक पेमेंट नहीं दिया जा रहा है. केंद्रीय नियम के तहत हर दिन यदि पाँच हज़ार कनेक्शन नहीं दिया जाएगा तो केंद्रांश रोक दिया जाएगा. छत्तीसगढ़ लक्ष्य पूरा नहीं कर पा रहा.

मंत्री ने कहा कि केंद्रांश चार महीने तक रोक दिया था. राज्यांश देने के बाद केंद्र ने पैसा भेजा. अजय चंद्राकर ने कहा कि ये योजना छत्तीसगढ़ में दम तोड़ देगी.

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि जल जीवन मिशन के लिये केंद्र से जैसे ही पैसा आया, उसकी बंदरबाँट शुरू हो गई. मुख्यमंत्री को हस्तक्षेप करना पड़ा. टेंडर रद्द किया गया. ये महत्वपूर्ण योजना है. गरीबों के घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाना है. लेकिन ग़रीबों के घरों तक नल नहीं पहुंचा. 38 लाख 74 हजार कनेक्शन देना है लेकिन क़रीब छह लाख कनेक्शन तीन सालों में दिया गया है. पूरे देश में छत्तीसगढ़ तीसवें नम्बर पर है. मंथर गति से काम चल रहा है. केंद्रीय योजना के तहत आने वाली राशि का लाभ राज्य की जनता को नहीं मिल रहा. इस योजना में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है.

विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने सदन की कमेटी से जाँच कराने की माँग की.उन्होंने ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लाखों लोगों को स्वच्छ जल देने से जुड़ा ये मामला है. जीवन स्तर ऊपर उठाने का मामला है. विधायक डॉक्टर कृष्णमूर्ति बांधी ने कहा कि पक्ष-विपक्ष के सदस्यों ने इस योजना पर उँगली उठाई है. वहीं विधायक रजनीश सिंह ने कहा कि तीन सालों में केंद्रांश और राज्यांश की कितनी राशि इस योजना में आई है और कितनी राशि खर्च हुई. इस पर पीएचई मंत्री गुरु रुद्र कुमार के जवाब से असंतुष्ट बीजेपी सदस्यों ने वॉकआउट किया।

सिंहदेव के इस्तीफ़े की सदन में गूंज

बीजेपी ने कहा, राज्य में संवैधानिक संकट के हालात,आसंदी ने कहा-'मंत्री का पत्र लिखना संवैधानिक संकट नहीं'

रायपुर। टीएस सिंहदेव के इस्तीफे को लेकर विपक्ष ने विधानसभा में सरकार को घेरा. नेता प्रतिपक्ष धरम लाल कौशिक ने कहा कि संवैधानिक संकट की स्थिति हैं, मंत्री सदन में होते तो उनसे बात करते. मंत्री को निकालना है तो इसकी घोषणा मुख्यमंत्री करें. भारी शोरगुल के बीच सदन की कार्यवाही पहले दस मिनट के लिए स्थगित की गई. सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने के बाद भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा. आसंदी ने सदन की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दिया. इसके पहले नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने आरोप लगाया कि अंधी-बहरी और गूंगी सरकार है, जो अपने मंत्री की आवाज नहीं सुन पा रही है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा नहीं है कि प्रधानमंत्री आवास जरूरतमंदों को मिल सके. वहीं बीजेपी के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि मंत्रिमंडल और कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायित्व है. मंत्री टीएस सिंहदेव के मामले में सरकार वस्तुस्थिति बताएँ. प्रदेश में संवैधानिक संकट की स्थिति है.

विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मंत्री ने सरकार पर ही अविश्वास प्रकट किया है. अनुच्छेद 166 में राज्यपाल ने मंत्रियों को अधिकार दिए हैं. मुख्यमंत्रियों को मंत्रियों के अधिकार छिनने का अधिकार नहीं है. क्या मंत्री से मुख्य सचिव बड़ा हो गया है. छत्तीसगढ़ में ये अनूठा उदाहरण है. मंत्री यदि एक विभाग से इस्तीफ़ा देता है तो इस विषय पर जब तक मंत्री और मुख्यमंत्री का वक्तव्य नहीं आ जाता तब तक सदन चलाने का कोई औचित्य नहीं.

उन्होंने कहा कि मंत्री में यदि हिम्मत है तो आकर वह मंत्री पद से इस्तीफ़ा दें. राज्यपाल के प्रति उत्तरदायित्व रहते हुए एक मंत्री यदि सरकार पर सवाल उठाता है तो ऐसे में मंत्रिमंडल पर विश्वास कैसे किया जा सकता है. ये कौन सा नियम है, कौन सा संविधान है कि मंत्री के निर्णय पर मुख्य सचिव की कमेटी अंतिम निर्णय ले. जब तक इस प्रकरण का निराकरण नहीं हो जाता तब तक सदन की कार्यवाही स्थगित रखी जाए.

स्पीकर डॉक्टर चरणदास महंत ने पूछा किस नियम के तहत इस पर चर्चा हो रही है? मंत्री के पत्र पर किस नियम से चर्चा हो रही है? स्पीकर ने कहा कि राज्य में किसी तरह का संवैधानिक संकट नहीं है. मंत्री के पत्र पर इस्तीफ़ा स्वीकार करने की कोई सूचना नहीं है.

जेसीसी विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि मंत्री सदन में नहीं हैं. पंचायत विभाग का मंत्री सदन में नहीं है. पत्र के जवाब में 61 विधायकों ने कर्रवाई की माँग को लेकर चिट्ठी पर दस्तख़त किया है. पुनिया जी उसे लेकर दिल्ली गई है. हसदेव और सिंहदेव का अस्तित्व ख़तरे में पड़ा हुआ है. मुझे नहीं लग सकता ये बचेंगे. बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि ये गोपनीय पत्र है. मंत्री ने शपथ ली है. गोपनीय पत्र बाहर आया है तो इस सरकार को एक मिनट भी रहने का अधिकार नहीं।

फिर पड़ी महंगाई की मार,खाने-पीने की चीजों पर भी टैक्स, किस समान पर देना होगा GST और क्या होगा दायरे से बाहर

रायगढ़/मुनादी, 20 जुलाई 2022।। 18 जुलाई से खाने पीने की समान और लेबल्ड डेयरी प्रोडक्ट पर सरकार ने 5 प्रतिशत तस्ज्ञ लागू कर दिया है। इससे आम उपभोक्ताओं पर भार बढ़ने की बात कही जा रही है। यह भी कहा जा रहा है की यह पहली बार हुआ है जब सरकार ने खाने पीने की चीजों को टैक्स के दायरे में लिया है।

सरकार पर शुरू से आक्रामक रहे कांग्रेस का कहना है कि तस्ज्ञ लागू करने से पहले सरकार ने कोई सोच विचार नहीं किया और इसे लागू कर दिया, इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ा रहा है। रायगढ़ शहर कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने बताया की खाने पीने यहां तक कि कफन पर भी सरकार ने टैक्स लगाया हुआ है लेकिन हीरा

जैसे विलासिता वाली सामानों पर मात्र एक प्रतिशत टैक्स लगाया है।

हमने इस मामले में भाजपा नेता मुकेश जैन से भी बात की और सरकार का पक्ष जानने की कोशिश की। उन्होंने इसे उचित ठहराया। और यह भी बताया की ब्रांडेड खाद्य पदार्थों पर पहले से ही 5 प्रतिशत टैक्स है। अब सरकार ने प्री पैक्ड और लेबल्ड सामानों पर टैक्स लगाकर ब्रांड और सामान्य दोनों उत्पादों को टैक्स के मामले में बराबर किया गया है।

दूसरी ओर व्यापारी संघ के सचिव हीरा मोटवानी ने इस अधिभार को अच्छे से डिफाइन करते हुए कहा कि टैक्स का बोझ तो उपभोक्ता पर ही पड़ता है। ऐसे में इस टैक्स के लगने से आम लोगों का जेब तो कटेगा ही।

सीएम में हरेली से गौ-मूत्र खरीदी की शुरुआत

सीएम ने गोधन न्याय योजना की दूसरी वर्षगांठ पर हितग्राहियों को 7.48 करोड़ का किया भुगतान

रायपुर, 20 जुलाई 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय कक्ष में 'गोधन न्याय योजना' की दूसरी सालगिरह पर गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में 48वीं किश्त की राशि 7 करोड़ 48 लाख रुपए का ऑनलाइन भुगतान किया. इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम बघेल ने कहा कि 28 जुलाई को हरेली तिहार से गोधन न्याय योजना का विस्तार करते हुए गोबर के साथ-साथ गौ-मूत्र की खरीदी की शुरूआत की जाएगी.

सीएम ने कहा गौ-मूत्र की खरीदी के लिए 4 रुपए प्रति लीटर की दर प्रस्तावित की गई है. खरीदे गए गौ-मूत्र का उपयोग जीवामृत कीटनाशकों और खाद के निर्माण के लिए किया जाएगा. इससे राज्य में जैविक खेती को और मजबूती मिलेगी तथा पशुपालकों की आय में भी बढ़ोतरी होगी.

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि महिला स्वसहायता समूहों तथा सहकारी समितियों को वर्मी कम्पोस्ट के विक्रय पर बोनस दिया जाएगा. इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है. महिला समूहों को प्रति किलो वर्मी कम्पोस्ट के विक्रय पर 01 रुपए तथा सहकारी समितियों को 10 पैसे का बोनस मिलेगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि 07 जुलाई 2022 तक बिक चुके कम्पोस्ट के लिए महिला समूहों को बोनस के रूप में 17 करोड़ 64 लाख रुपए तथा सहकारी समितियों को 01 करोड़ 76 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी.

मुख्यमंत्री बघेल द्वारा आज गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में अंतरित की गई राशि में एक जुलाई से 15 जुलाई तक राज्य के गौठानों में पशुपालकों, ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से क्रय किए गए गोबर के एवज में 2.69 करोड़ रुपए भुगतान, गौठान समितियों को 2.88 करोड़ और महिला समूहों को 1.91 करोड़ रुपए की लाभांश राशि का भुगतान शामिल है. गोबर खरीदी के एवज में आज किए गए भुगतान की राशि को मिलाकर अब तक 153.44 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है.

गोधन न्याय योजना की हुई है शुरुआत

मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के दो वर्ष पूर्ण होने पर योजना के सभी हितग्राहियों और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि 20 जुलाई 2020 को हरेली तिहार के दिन से हम लोगों ने छत्तीसगढ़ में गोबर खरीदी की शुरुआत की थी. तब से लेकर अब तक राज्य में लगातार गोबर की खरीदी और वर्मी कंपोस्ट का निर्माण किया जा रहा है. केवल 02 वर्षों में इस योजना ने जो सफलताएं अर्जित की हैं, उससे पूरे देश में इस योजना को सराहा जा रहा है. देश के अनेक राज्यों ने हमारा अनुसरण करके अपने यहां भी इसी तरह की योजनाएं लागू की है. हम गोबर खरीद कर न केवल वर्मी कंपोस्ट बना रहे हैं, बल्कि गोबर से बिजली उत्पादन करने, प्राकृतिक पेंट बनाने, तरह-तरह की सामग्री बनाने का काम भी हम कर रहे हैं।

प्रदेश में अब तक 8 हजार 408 गौठान निर्मित

कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा कि आज गोधन न्याय योजना को दो वर्ष हो गए हैं, योजना के प्रारंभ होने से अब तक गोधन न्याय योजना का काफी विस्तार किया गया है. योजना की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है. इस योजना से ग्रामीणों, पशुपालकों, महिला समूहों को आय और रोजगार का नया साधन मिला है. योजना के तहत अब तक 8 हजार 408 गौठान निर्मित किए गए हैं, लगभग 1456 गौठान ऐसे हैं, जहां 30 क्विंटल से अधिक गोबर की खरीदी 01 से 15 जुलाई तक की गई है. ग्रामीणों और किसानों का विश्वास योजना के प्रति जगा है. कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने योजना की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी।

सिंगर की पत्नी गाना गाते-गाते रो पड़ी आज होंगे हॉस्पिटल से डिस्चार्ज

रायपुर, 20 जुलाई 2022। ओड़िया सिंगर प्रकाश जाल आज रायपुर के मोवा स्थित श्री बालाजी हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने वाले है. 11 जून को ओड़िशा में हुए एक बड़े सड़क हादसे में वे जिंदगी और मौत से लड़ रहे थे.

श्री बालाजी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ देवेंद्र नायक ने बताया कि सिंगर प्रकाश जाल को 13 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. उनके सिर में गंभीर चोट आई थी. यहां डॉ मनीष और उनकी टीम ने सर्जरी की. डॉ केके भोई और उनकी टीम भी लगातार प्रकाश जाल का चेकअप करते रहे. डॉ देवेंद्र नायक ने बताया कि अस्पताल में ओड़िशा सरकार द्वारा संचालित बीजू पटनायक स्वास्थ्य योजना के तहत पूरा इलाज हुआ.

डिस्चार्ज के दौरान लल्लूराम डॉट कॉम के निवेदन पर उनकी पत्नी ने प्रकाश जाल के फैंस के लिए उनका सबसे हिट गाना गाया और इस दौरान वो रो पड़ी.

दो दोस्तों के बीच जमकर हुई मारपीट, एक ने दूसरे को ब्लेड से कर दिया ताबड़तोड़ हमला

रायगढ़ मुनादी, 20 जुलाई 2022। चक्रधर नगर क्षेत्र के आईटीआईटी कालोनी में बुधवार की दोपहर उस वक्त सनसनी फैल गई जब दो दोस्त किसी बात को लेकर आपस में भिड गए और एक ने दूसरे पर ब्लेड से प्राणघातक हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद पुलिस इस मामले के आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शहर के चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के आईटीआई कालोनी में बुधवार की दोपहर तकरीबन 2 बजे अनिल राज उम्र लगभग 27 साल पर आईटीआई कालोनी के ही रहने वाले विशाल गुप्ता 27 साल के बीच किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ और देखते ही देखते विशाल ने अनिल के गले पर ब्लेड से प्राणघातक हमला कर दिया। गनीमत है कि गले जैसे नाजुक जगह ब्लेड के वार से पीड़ित युवक को सामान्य चोट पहुंची अन्यथा गले की नस कट जाने की स्थिति में युवक के प्राण संकट में पड़ सकते थे।

इस घटना की सूचना के बाद चक्रधर नगर पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी युवक को हिरासत में लेकर थाने ले आई है जहां उससे पूछताछ जारी है। बताया जा रहा अनिल और विशाल दोनों अच्छे दोस्त हैं और साथ में ही डेंटिंग पेटिंग का काम करते थे। वहीं पुलिस के अनुसार किसी प्रकार के लेन देन को लेकर इन दोनों के बीच वाद विवाद हुआ और बात बढ़ जाने स्थिति में मामला यहां तक आ पहुंचा है।

राज्य में समर्थन मूल्य पर होगी अरहर,उड़द और मूंग की खरीदी

कृषि विभाग ने उपार्जन की व्यवस्था के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

रायपुर, 20 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में किसानों से समर्थन मूल्य पर अरहर, उड़द और मूंग की खरीदी की जाएगी। इसका उपार्जन छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मार्कफेड के माध्यम से किया जाएगा। किसानों से अरहर और उड़द 6600 रूपए तथा मूंग की खरीदी 7755 रूपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। उड़द एवं मूंग का उपार्जन 17 अक्टूबर 2022 से 16 दिसम्बर 2022 तक तथा अरहर का उपार्जन 13 मार्च 2023 से 12 मई 2023 तक की अवधि में किया जाएगा। गोदाम एवं भण्डारण की सुविधायुक्त 25 कृषि उपज मंडियों को अरहर, मूंग और उड़द की खरीदी के लिए उपार्जन केन्द्र के रूप में चिन्हांकित किया गया है।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग मंत्रालय द्वारा राज्य में अरहर, उड़द एवं मूंग फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों सहित मार्कफेड एवं मंडी बोर्ड को जारी किया गया है। उपार्जन केन्द्र पर आवश्यक भौतिक संसाधनों, उपकरणों एवं मानव संसाधन की व्यवस्था मार्कफेड द्वारा की जाएगी। यूनिफाईड फार्मर पोर्टल पर कृषक का पंजीयन कर उपलब्ध डाटा नाफेड को दिया जाएगा। नाफेड द्वारा उक्त डाटा ई-समृद्धि पोर्टल में उपार्जन हेतु इंटीग्रेड किया जाएगा

एवं चयनित उपार्जन केन्द्रों से उक्त कृषकों की टैगिंग की जाएगी। उक्त डाटा के आधार पर ही किसानों से खरीदी कर भुगतान किया जाएगा। किसानों की भूमि, बोयी गई फसल का रकबा आदि का मैदानी सत्यापन एवं रेंडम सत्यापन किया जाएगा।

किसानों को दी जाएगी प्रिंटेड रसीद

उपार्जन केन्द्रों में कृषकों की सामान्य जानकारी हेतु एफएक्यू उत्पाद का प्रदर्शन सुनिश्चित करने के साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि एफएक्यू मानक का अरहर, उड़द एवं मूंग का समर्थन मूल्य से कम पर उपार्जन केन्द्र में विक्रय न हो। एफएक्यू गुणवत्ता की खरीदी की सघन मॉनिटरिंग की जाएगी। रेंडम सैम्पलिंग हेतु नाफेड के साथ राज्य स्तरीय संयुक्त टीम गठित की जाएगी, जो उपार्जन केन्द्र के खरीदी कार्य की तैयारी से लेकर संग्रहण तक का निरीक्षण करेंगे। किसान से क्रय की गई मात्रा की प्रिंटेड रसीद जिसमें देय राशि का उल्लेख हो, उपार्जन केन्द्र प्रभारी द्वारा हस्ताक्षर कर किसान को दी जाएगी।

अनुमानित उत्पादन 1.76 लाख मेट्रिक टन

गौरतलब है कि खरीफ सीजन 2022 में राज्य में एक लाख 40 हजार हेक्टेयर में अरहर, 22 हजार हेक्टेयर में मूंग तथा एक लाख 75 हजार हेक्टेयर में उड़द की खेती का लक्ष्य है। कृषि विभाग द्वारा राज्य में 94,500 मेट्रिक टन अरहर, 12,100 मेट्रिक टन मूंग तथा 70,000 मेट्रिक टन उड़द का उत्पादन अनुमानित है।

25 मंडियों में होगी खरीदी

राज्य में भाटापारा, गरियाबंद, महासमुन्द, बसना, दुर्ग, बेमेतरा, राजनांदगांव, खैरागढ़ डोंगरगढ़, गंडई, कवर्धा, पण्डरिया, मुंगेली, लोरमी, सक्ती, रायगढ़, अंबिकापुर, सूरजपुर, रामानुजगंज, जशपुर, कोण्डागांव, केशकाल, नारायणपुर, सम्बलपुर, पखांजूर कृषि मंडी में अरहर, मूंग और उड़द की खरीदी समर्थन मूल्य पर होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)